भाद्रपद शुक्ल पक्ष 13, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 79 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भोपाल
24 सितंबर 2026 गुरुवार

आज का मौसम
31.4 अधिकतम
21.5 न्यूनतम

Page-7

ग्रेटर नोएडा में यमुना एक्सप्रेस -वे पर बड़ा हादसा

स्लीपर बस में धधकी आग... नींद में थे यात्री, 9 की मौत

जेवर (ग्रेटर नोएडा) , एजेंसी

यमुना एक्सप्रेसवे पर बुधवार देर रात एयरपोर्ट इंटरचेंज के पास डबल डेकर स्लीपर बस आग का गोला बन गई। हादसे में बस के अंदर फंसे नौ यात्रियों की जिंदा जलने से मौत हो गई। मृतकों में बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग शामिल बताए जा रहे हैं। आग इतनी विकराल थी कि शव बुरी तरह जलकर कंकाल में तब्दील हो गए। कई शवों के अंग तक अलग हो गए। देर रात से करीब पांच घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद शवों को बस की बॉडी काटकर बाहर निकाला गया।

राज कल्पना ट्रेवल्स मध्यप्रदेश की बस दिल्ली से महोबा जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शी यात्रियों के मुताबिक, एयरपोर्ट इंटरचेंज के पास चालक को बस के इंजन की ओर आग लगने का पता चला। चालक ने बस को ओवरटेकिंग लेन से एक्सप्रेसवे के किनारे सोल्डर पर खड़ा किया और आग बुझाने का प्रयास किया। आग तेजी से फैलने पर चालक और परिचालक ने यात्रियों को बाहर निकलने के लिए शोर मचाया। अफरा-तफरी के बीच 20 से अधिक यात्रियों ने बस से कूदकर जान बचाई, लेकिन 9 यात्री अंदर ही फंस गए। बस यात्री रिंकी राजपूत ने बताया कि हादसे के वक्त ज्यादातर यात्री सो रहे थे। मेरी नींद खुली तो बस में अफरा-तफरी मची थी। लोग चिल्ला रहे थे। बस के अंदर धुआं भरा था। हमने कूदकर जान बचाई। कई लोग बस में ही रह गए। हमीरपुर के एक यात्री ने आरोप लगाया कि आग लगने के बाद ड्राइवर बस नहीं रोक रहा था। यात्रियों ने शीशे तोड़ने शुरू किए, तब उसने बस रोकी। हादसे के चलते दिल्ली-आगरा लेन 2 घंटे बंद रही।

आग की सूचना मिलने पर पुलिस, फायर ब्रिगेड और यमुना एक्सप्रेसवे की सुरक्षा टीम मौके पर पहुंची। आग पर काबू पाने के बाद भी बस और उसमें रखा सामान घंटों सुलगता रहा। सुरक्षा टीमों ने बस की बॉडी काटकर अंदर फंसे शवों को बाहर निकाला। सभी शव और मिले अंग कैलाश अस्पताल भेजे गए। आग की विकरालता को देखते हुए सुरक्षा की दृष्टि से जेवर टोल और एयरपोर्ट इंटरचेंज पर करीब 30 मिनट तक यातायात रोक दिया गया। इस दौरान दो कारें आपस में टकरा गईं।

आरोप - आग लगने के बाद भी ड्राइवर ने नहीं रोकी बस

कई यात्रियों ने बस से कूदकर बचाई जान

टिकट बुकिंग से डिटेल निकालेंगे

हादसे में मारे गए यात्रियों के शव इतनी बुरी तरह जल चुके हैं कि मौके पर उनकी पहचान संभव नहीं हो पा रही है। पुलिस बस की टिकट बुकिंग की डिटेल के आधार पर यात्रियों के परिजनों से संपर्क कर रही है। परिजनों के डीएनए नमूने लेकर शवों से मिलान कराया जाएगा। इसके बाद ही मृतकों की पहचान की पुष्टि हो सकेगी। गौतमबुद्धनगर के सीएफओ प्रदीप कुमार ने कहा कि मृतकों की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं और चालक - परिचालक को हिरासत में लिया गया है।

न्यूज विंडो

दिल्ली में नाबालिग से रेप 12 दिन में चौथा मामला

नई दिल्ली। वजीराबाद इलाके की एक होटल में नाबालिग से रेप का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी और पीड़ित दोनों वजीराबाद के रहने वाले हैं। आरोपी ने सोशल मीडिया पर लड़की से दोस्ती की और मंगलवार को उसे होटल में बुलाया। घटना के बाद लड़की घर पहुंची और परिवार को पूरी बात बताई। इसके बाद परिवार ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने पीड़ित का मेडिकल कराया और उसका बयान दर्ज किया। मेडिकल जांच और लड़की के बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज किया है। घटना के बाद से आरोपी फरार है।

अमेरिकी जज ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों की एंट्री पर लगा बैन हटाया

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप को एक और झटका लगा है। एक जज ने आज सीएनएन, एमएस नाउ और पॉलिटिको के लिए व्हाइट हाउस में एंट्री बहाल करने का आदेश दिया है। जज ने कहा कि इन तीनों मीडिया संस्थानों पर लगाया गया प्रतिबंध संभवतः असंवैधानिक था। मीडिया के साथ अपनी सबसे बड़ी लड़ाइयों में से एक में ट्रंप के लिए यह बड़ा झटका है। अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट जज टिम केली ने उस मुकदमे में अपना आदेश जारी किया है जो न्यूज संगठनों ने रिपब्लिकन राष्ट्रपति द्वारा 18 सितंबर को घोषित प्रतिबंध को चुनौती देते हुए दायर किया था।

आईआईटी बॉम्बे सुसाइड केस राहुल ने माता-पिता से बात की

मुंबई। राहुल गांधी ने आईआईटी बॉम्बे के स्टूडेंट साहिल वाकोडे के माता-पिता रवींद्र और सोनाली से वीडियो कॉल पर बात की। उन्होंने दोनों को मदद का भरोसा दिया। न्यूज एजेंसी पीटीआई के सूत्रों ने आज जानकारी दी। वहीं, मौत से कुछ घंटे पहले साहिल ने फोन पर अपनी करीबी दोस्त से बात की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उसने थर्मोडायनेमिक्स का पेपर खराब होने की बात कही और कहा था- मुझसे गलती हो गई।

अवकाश की सूचना

अनंत चतुर्दशी के अवसर पर दोपहर मेट्रो कार्यालय में शुक्रवार 25 सितंबर को अवकाश रहेगा। अगला अंक शनिवार 26 सितंबर को प्रकाशित होगा।

आज का कार्टून

सेवा संकल्प अभियान पर निकले युवाओं से वर्चुअल संवाद

मोदी बोले- विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की बड़ी भूमिका

नई दिल्ली / वडनगर / देवास, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत वडनगर से वाराणसी जाने वाले दल के साथ चर्चा में कहा कि सेवा ही हमारा मुख्य कार्य होना चाहिए और सेवा का संदेश सेवा करते हुए ही देना है। कोई उपदेश नहीं देना है। हमारे आचरण से ही लोगों को पता चले कि राजनीति में सत्ता कितनी ही बड़ी क्यों न हो जाए, लेकिन हमारा मार्ग सेवा का ही रहेगा। उन्होंने कहा कि जब सेवा का भाव होता है, तब करोड़ों जरूरतमंदों को मुफ्त अनाज मिलता है और तभी आयुष्मान जैसी योजना जन्म लेती है।

भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा आयोजित यह यात्रा पीएम मोदी के जन्मदिन को वडनगर से शुरू हुई थी। इसका मुख्य उद्देश्य स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, जनसंवाद, और वरिष्ठ नागरिकों की सेवा के जरिए सामाजिक उत्तरदायित्व और जनभागीदारी की भावना को सुदृढ़ करना है। प्रधानमंत्री ने युवाओं से कहा कि वडनगर और वाराणसी दोनों ही पुरातन ऐतिहासिक शहर हैं। ये दोनों हजारों साल से जीवंत हैं। मेरे लिए तो एक मेरी जन्मभूमि है और दूसरी मेरी कर्मभूमि है। वडनगर से निकलकर वाराणसी की तरफ बढ़ रहे युवाओं के अनुभव सुनकर ऐसा लग रहा है कि जैसे मैं भी आपके साथ-साथ चल रहा हूं। 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में हमें युवाशक्ति की बहुत बड़ी भूमिका को एकदम से मजबूती के साथ आगे बढ़ाना है।

पीएम मोदी ने आगे कहा, 'आज की युवा पीढ़ी विकसित भारत की निर्माता भी है और यही पीढ़ी एक बड़ी लाभार्थी भी होगी। इस दायित्व को निभाने के लिए भारत को जमीन पर जानना, समझना, देश की हर बारीकियों को अनुभव करना, अलग-अलग क्षेत्रों, सामाजिक वर्गों से मिलना, उनके सपनों से परिचित होना बहुत जरूरी है।

■ देवास के पुंजापुरा में सीएम मोहन यादव भी शामिल हुए

एंटरप्रेन्योरशिप में आगे बढ़ रहा एमपी

प्रधानमंत्री ने देवास के बागली विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पुंजापुरा में एकत्रित हितग्राहियों एवं जनसमुदाय से भी वर्चअल संवाद किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी मौजूद थे। पीएम ने युवाओं से बात कर सेवा कार्यों के अनुभव की जानकारी ली। उन्होंने युवाओं से वॉट्सएप ग्रुप बनाने की बात कही ताकि लोगों तक उनके काम पहुंचें। इसके साथ ही इंस्टाग्राम और फेसबुक पर इसे शेयर करने को कहा। शाजापुर जिले के दीपेश गोटी से पीएम पूछा कि वडनगर में किसी से पहचान बनाई है या नहीं, इस पर गोटी ने अपनी कपड़े की दुकान के संबंध में जानकारी दी और बताया कि यात्रा के दौरान व्यापारियों से पहचान बनाई है। उन्होंने कहा- मध्य प्रदेश एंटरप्रेन्योरशिप में बहुत आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव देवास के पुंजापुरा में वाराणसी सेवा यात्रा कर रहे बाइक राइडर्स के साथ शामिल हुए।

देर रात तट से टकराया अर्णब चक्रवात

ओडिशा और आंध्र में भारी बारिश, कई पुल बहे

भुवनेश्वर। बंगाल की खाड़ी से बना गहरा दबाव (डीप डिप्रेशन) अर्णब चक्रवात के रूप में उत्तर आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा के तट से देर रात टकरा गया। इसके असर से दोनों राज्यों के कई इलाकों में भारी बारिश हो रही है। ओडिशा में करीब पांच हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। दक्षिणी जिलों में कई पुल और सड़कों के बहने की खबर है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने आगाह किया है कि तट से टकराने के बाद भी यह सिस्टम अगले 12 घंटों तक अपनी पूरी ताकत बनाए रखेगा। इसके बाद यह उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर रुख करते हुए धीरे-धीरे कमजोर पड़ेगा।

इस भयंकर मौसमी संकट को देखते हुए ओडिशा और आंध्र प्रदेश के संवेदनशील जिलों में हाई रेड अलर्ट घोषित कर दिया गया है। कोरापुट, मलकानगिरी, कालाहांडी और नवरंगपुर में अत्यधिक भारी बारिश, तेज हवाओं और अचानक बाढ़ के खतरे को देखते हुए राहत-बचाव दल अलर्ट मोड पर हैं। आंध्र के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपात समीक्षा बैठक कर निचले इलाकों से हजारों लोगों को सुरक्षित ठिकानों पर पहुंचाने और स्कूलों को तुरंत बंद करने के निर्देश दिए हैं।

पांच हजार लोगों को शिफ्ट किया

साउथ 24 परगना में ऑरेंज अलर्ट

पश्चिम बंगाल के साउथ 24 परगना में कम दबाव के असर से भारी बारिश और तेज हवाएं चल रही हैं। मौसम विभाग ने यहां ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। तटीय इलाकों के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। मछुआरों को समुद्र में न जाने की चेतावनी दी गई है। उधर, यूपी में 3 दिन बाद फिर मानसूनी बारिश का सिलसिला शुरू हो गया है। लखनऊ, गोंडा, महराजगंज, उन्नाव, प्रयागराज में बारिश हुई। गोंडा में सुबह 4 बजे से मूसलाधार बारिश हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार 2 घंटे में जिले में 10 एमएम बारिश दर्ज की गई। प्रशासन ने कक्षा एक से आठ तक के स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया है।

झारखंड के जमशेदपुर में भीषण सड़क हादसा, मंत्री दीपिका पांडे की बेटी सहित 4 युवाओं की गई जान

जमशेदपुर। झारखंड के जमशेदपुर के सोनारी थाना क्षेत्र स्थित मरीन ड्राइव पर आज तड़के हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में कार सवार चार लोगों की मौत हो गई। तेज रफ्तार कार सड़क पर खड़े एक ब्रेकडाउन ट्रक के पीछे जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार ट्रक के पिछले हिस्से में बुरी तरह फंस गई और उसके परखच्चे उड़ गए। इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों में झारखंड सरकार की मंत्री दीपिका पांडे सिंह की बेटी तृषा सिंह भी शामिल हैं। दुर्घटना के बाद कार में फंसे लोगों को निकालने के लिए प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी। बचाव दल ने गैस कटर की मदद से कार को काटकर शवों को बाहर निकाला।

जिनपिंग 11 साल बाद अमेरिका पहुंचे, ट्रम्प ने प्रोटोकॉल तोड़कर खुद जॉइंट बेस एंड्रयूज एयरपोर्ट पर किया रिसीव

वॉशिंगटन डीसी। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग 11 साल बाद अमेरिका पहुंचे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने प्रोटोकॉल तोड़कर खुद जॉइंट बेस एंड्रयूज एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया।

ट्रम्प के साथ फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रम्प भी मौजूद थीं। शी के साथ भी उनकी पत्नी पेंग लियुआन मौजूद रहीं। अमेरिका और चीन के बीच ट्रम्प-जिनपिंग बातचीत में चार प्रमुख मुद्दे रहेंगे। पहला, ट्रेड और टैरिफ है। दूसरा, AI तकनीक है। दोनों देशों ने पहली बार AI सुरक्षा और तकनीकी जोखिमों पर अलग बातचीत शुरू करने पर सहमति जताई है। तीसरा, ताइवान है। चीन अमेरिकी सैन्य समर्थन कम करने की मांग करता है, जबकि अमेरिका ताइवान की सुरक्षा में मदद करता है। चौथा, रूस से तेल खरीद है। अमेरिकी टैरिफ के दबाव के बीच चीन की ऊर्जा खरीद भी चर्चा का अहम मुद्दा बन सकती है।

मेट्रो एंकर | पिता को खोने के बाद दिल्ली की सड़कों पर चलाई टैक्सी, इंडियन आर्मी ने संवार दी जिंदगी

बेबसी में कैब ड्राइवर बने थे सलमान, अब एशियन गेम्स में जीता मेडल

नई दिल्ली, एजेंसी

जब जापान के नागोया में मेंस डबल स्कल्स रोइंग का फाइनल मुकाबला खत्म हुआ और भारत का तिरंगा आसमान में लहराया, तो 2,000 मीटर के वाटर कोर्स पर खड़े सलमान खान की आंखों से आंसू छलक पड़े। ये आंसू सिर्फ एक मेडल की खुशी के नहीं थे, ये आंसू थे उस दर्द, बेबसी और कड़े संघर्ष के जो उन्होंने दिल्ली की सड़कों पर कैब चलाते वक्त भोगे थे। सतनाम सिंह के साथ मिलकर 6:13.25 के समय में इतिहास का पहला मेडल जीतने वाले सलमान खान की यह कहानी किसी बॉलीवुड फिल्म से भी ज्यादा भावुक और प्रेरणादायक है।

उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के पूरे धींगई गांव में जन्मे सलमान खान का बचपन कभी आसान नहीं रहा। छह भाई-बहनों में सबसे बड़े सलमान के पिता मोहम्मद कासिम खान हरियाणा के ताउरू में ट्रक की बॉडी बनाने का काम करते थे। सलमान का सपना बचपन से ही भारतीय सेना में भर्ती होकर देश की सेवा करने का था। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। जब सलमान महज 18 साल के थे, तब डेंगू के कारण उनके पिता का अचानक देहांत हो गया। परिवार की जिम्मेदारी के कारण फौज में भर्ती होने के अपने सपने को दिल में दफन कर सलमान काम की तलाश में दिल्ली आ गए। परिवार का पेट पालने के लिए उन्होंने दिन-रात दिल्ली की चिलचिलाती धूप और कड़ाके की ठंड में कैब चलाना शुरू कर दिया। एक दोस्त ने उनकी अच्छी लंबाई और फौलादी काठी को देखकर उन्हें दोबारा आर्मी भर्ती में किस्मत आजमाने की सलाह दी। सलमान ने कैब की चाबी दूसरे ड्राइवर को सौंपी और केवल 4 महीने की दिन-रात की जी-तोड़ मेहनत के बाद 25 सितंबर 2018 को बॉम्बे इंजीनियर ग्रुप, पुणे में भारतीय सेना में शामिल हो गए। फौज में आने के बाद कोचों ने उनके लंबे कद को देखकर उन्हें रोइंग में उतरने को कहा। जिस खेल का नाम तक सलमान ने कभी नहीं सुना था, उसमें नाव संभालना उनके लिए बेहद कठिन था। मेहनत रंग लाई और वे नेशनल गेम्स से लेकर एशियन रोइंग कप में गोल्ड मेडल जीतते चले गए। उनके इस ऐतिहासिक प्रदर्शन की बदौलत भारतीय सेना ने उन्हें 'नायब सूबेदार' के पद पर पदोन्नत किया।

सलमान बाएं, सतपाल के साथ।

अंतिम समय में बदल गया पार्टनर: एशियन गेम्स 2026 से ठीक कुछ दिन पहले भारतीय रोइंग टीम में भारी विवाद और अचानक फेरबदल हुआ। सलमान और उनके साथी सतनाम सिंह को क्वाड्रपल स्कल्स से हटाकर अचानक डबल स्कल्स में डाल दिया गया। तमाम मानसिक तनाव और नई जोड़ी के बावजूद, सतनाम और सलमान ने पानी पर उतरकर ऐसा कमाल दिखाया कि 1500 मीटर की रेस तक वे गोल्ड मेडल की रेस में दूसरे नंबर पर बने रहे। हालांकि, आखिरी 500 मीटर में वे मामूली अंतर से खिसककर तीसरे स्थान पर रहे, लेकिन भारत को मेन्स डबल स्कल्स का पहला एशियन गेम्स मेडल दिला दिया। सलमान खान का यह ब्रॉन्ज मेडल सिर्फ एक खेल की जीत नहीं है, बल्कि यह उस हर उस इंसान की जीत है जो गरीबी, मजबूरी और दुखों के आगे हार नहीं मानता।

रोशिबिना ने वुशु में सिल्वर दिलाया

रोशिबिना देवी ने एशियन गेम्स के 5वें दिन आज सिल्वर मेडल दिलाया। वे महिलाओं के 60kg सांडा इवेंट का फाइनल में चीन की झांग शियाओयू से 0-2 से हार गईं। यह रोशिबिना का एशियन गेम्स में लगातार तीसरा मेडल है। वे एशियाड में लगातार तीन मेडल जीतने वाली भारत की पहली महिला वुशु खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने 2018 जकार्ता में ब्रॉन्ज और 2023 हांगझोउ में सिल्वर जीता था।

न्यूज विंडो

सतगुरु कंपनी और अजय ट्रेडिंग पर फूड सेफ्टी की जांच, लिए सैंपल

भोपाल। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, द्वारा बुधवार को विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का खाद्य सुरक्षा की दृष्टि से निरीक्षण एवं जांच कार्रवाई की गई। इस क्रम में खाद्य सुरक्षा अमले ने बैरागढ़ स्थित सतगुरु कंपनी का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान प्रीमियम प्रीमियर तेल वाइंडका का सैंपल लिया। इसी क्रम में अजय ट्रेडिंग कंपनी एवं कुलचन्द हरिनंद शॉप, का भी खाद्य सुरक्षा की दृष्टि से निरीक्षण किया गया। दोनों प्रतिष्ठानों में उपलब्ध खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, लेबलिंग, भंडारण एवं खाद्य सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं की जांच की गई। खाद्य नमूना को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा जाएगा।

नाबालिग से घर में घुसकर मुंहबोले मामा ने की छेड़छाड़, गिरफ्तार

भोपाल। तलैया इलाके में घर में अकेली 13 साल की बच्ची के साथ उसके मुंहबोले मामा ने छेड़छाड़ कर दी। आरोपी ने बच्ची के साथ अश्लील हरकत की और उसे किसी को कुछ नहीं बताने के लिए कहा। बच्ची ने विरोध किया तो आरोपी घर से भाग गया। कुछ देर बाद दोबारा घर में घुसने पहुंचा तो बच्ची ने अंदर से दरवाजा बंद कर लिया और माता-पिता को फोन कर पूरी घटना बता दी। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसे जेल भेजा गया है। परिवार में एक युवक का मुंहबोला भाई बना हुआ था, जिसके चलते उसका घर पर आना-जाना था। इसी परिचय का फायदा उठाकर आरोपी ने अश्लील हरकत की।

गाड़ी छीनने और जान से मारने की धमकी, बदमाश रूसी पर FIR

भोपाल। स्टेशन बजरिया इलाके में जुए की फड़ चलाने और बीएमडब्ल्यू कार हड़पने के मामले में गिरफ्तार रूसी खान की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पुलिस ने अब रूसी खान, उबेद अली और सकलेन खान के खिलाफ मारपीट, धमकाने और जबरन कार रखने के आरोप में एक और एफआईआर दर्ज की है। चांदबड़ निवासी होटल संचालक विजय यादव की शिकायत पर दर्ज किया गया है। आरोप है, आरोपियों ने उधार दिए दो लाख रुपए वापस मांगते हुए उससे मारपीट की। उसकी कार जबरन अपने पास रख ली। विजय ने पुलिस को बताया कि उसने 5 सितंबर को आरआर स्नूकर पॉइंट चलाने वाले रूसी खान से होटल में काम कराने के लिए दो लाख रुपए उधार लिए थे। दोनों के बीच छह महीने में रकम लौटाने की बात हुई थी, लेकिन कोई लिखापढ़ी नहीं हुई थी।

भेल जूनियर एक्जीक्यूटिव क्लब की नई कार्यकारिणी ने संभाला कार्यभार

भोपाल। भेल जूनियर एक्जीक्यूटिव क्लब की नवगठित कार्यकारिणी समिति का परिचय एवं कार्यभार ग्रहण समारोह पिपलानी क्लब में आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता क्लब के अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक (टीबीओ-इंजीनियरिंग, क्वालिटी एंड टीडीएक्स) एनके महाजन ने की। इस अवसर पर क्लब के उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक (नगर प्रशासन) समीर सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। समारोह में नवनिर्वाचित सचिव राम बहादुर, संयुक्त सचिव देवेंद श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष मनोज राय सहित कार्यकारिणी के अन्य पदाधिकारियों ने कार्यभार ग्रहण किया। इस दौरान क्लब की गतिविधियों को आगे बढ़ाने और सदस्यों के हित में कार्य करने पर चर्चा हुई। नई कार्यकारिणी की ओर से पूर्व कार्यकारिणी, निर्वाचन अधिकारी, वर्तमान प्रबंध कार्यकार तथा क्लब के सभी सदस्यों का समारोह में सहयोग और गरिमामयी उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया गया।

याचिका पर सुनवाई करते हुए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने दिए निर्देश, अब नगरीय विकास विभाग और नगर निगम को बनानी होगी एसओपी

स्कूल-अस्पताल के पास मोबाइल टावर लगाने से पहले तय होंगे नियम

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में अब मोबाइल टावर लगाने के लिए सिर्फ जगह उपलब्ध होना पर्याप्त नहीं होगा। स्कूल, अस्पताल, छात्रावास, खेल मैदान, जेल और घनी आबादी वाले इलाकों में टावर की स्थापना को लेकर स्थानीय नियम तय किए जाएंगे। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने नगरीय विकास विभाग और नगर निगम को स्थानीय भूमि उपयोग और भवन निर्माण नियमों के आधार पर इसकी स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) तैयार करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, मामला बागमुगालिया के अरविंद विहार में लगाए गए मोबाइल टावर से जुड़ा है।

मध्य क्षेत्रीय सामाजिक एवं कानूनी कल्याण सोसाइटी ने एनजीटी में याचिका दायर कर टावर की जगह को लेकर आपत्ति जताई थी। याचिका में कहा गया था कि टावर के आसपास घनी आबादी के साथ स्कूल, हॉस्टल और अस्पताल भी संचालित हो रहे हैं।

याचिका पर सुनवाई करते हुए एनजीटी ने विशेषज्ञ रिपोर्ट और उपलब्ध वैज्ञानिक सामग्री का हवाला देते हुए कहा कि फिलहाल दूरसंचार नेटवर्क से निकलने वाले गैर-आयनकारी रेडिएशन से किसी स्पष्ट या पहचाने जा सकने वाले नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है। इसके बावजूद टावरों की स्थापना और संचालन को लेकर स्थानीय स्तर पर स्पष्ट व्यवस्था जरूरी मानी गई है। इसी आधार पर नगरीय विकास विभाग और नगर निगम को वैज्ञानिक अध्ययन, उपलब्ध आंकड़ों, स्थानीय भूमि उपयोग और भवन निर्माण नियमों को ध्यान में रखते हुए एसओपी तैयार करने को कहा गया है।

टावर के साथ डीजी सेट पर भी नजर

मोबाइल टावर को बिजली देने के लिए लगाए जाने वाले डीजी सेट के लिए भी संबंधित राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या प्रदूषण नियंत्रण समिति से अनुमति लेना जरूरी होगा। डीजी सेट से निकलने वाले धुएं और होने वाले शोर के लिए तय मानकों का पालन भी करना होगा।

अब स्थानीय स्तर पर तय होगी व्यवस्था

एनजीटी के निर्देश के बाद नगर निगम व नगरीय विकास विभाग को स्थानीय स्तर पर स्पष्ट प्रक्रिया तैयार करनी होगी। घनी आबादी वाले इलाकों में मोबाइल टॉवर लगाने से जुड़े मामलों में भूमि उपयोग, भवन नियम, पर्यावरण मानक और रेडिएशन जांच को एक साथ देखा जा सकेगा। व्यवस्था बनाने के बाद नगर निगम और नगरीय विकास विभाग को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल को रिपोर्ट भी पेश करनी होगी।

टावर चालू होने से पहले देना होगा प्रमाण पत्र

मोबाइल टावरों से निकलने वाले रेडिएशन की जांच दूरसंचार विभाग की टेलीकॉम एनफोर्समेंट रिसोर्स एंड मॉनिटरिंग (टर्म) सेल करेगी। एनजीटी ने नियमित जांच के निर्देश दिए हैं। निर्धारित सीमा से ज्यादा रेडिएशन मिलता है तो नियमों के तहत तत्काल सुधार करना होगा। टेलीकॉम सेवा प्रदाता को रेडिएशन की जांच शुरू होने के 15 दिन के भीतर यह सेल्फ सर्टिफिकेट देकर प्रमाणित करना होगा कि टावर से निकलने वाला रेडिएशन तय मानकों के भीतर है। इसके बाद ही टॉवर का संचालन शुरू किया जा सकेगा।

रोजाना औसतन 5 गाड़ियां हो रहीं गायब, शहर भर में 82 हॉटस्पॉट चिह्नित

शहर में वाहन चोर बेलगाम, 8 माह में 1157 दोपहिया चोरी

5.23 करोड़ रुपए की चोरी गाड़ियों में से सिर्फ 1.01 करोड़ ही बरामद

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल में पुलिस की सुरक्षा और सर्विलांस व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए वाहन चोरों का गिरोह पूरी तरह हावी हो गया है। इस साल 1 जनवरी से 31 अगस्त 2026 के बीच (8 महीनों में) शहर से कुल 1,157 दोपहिया वाहन चोरी हो चुके हैं। इसका सीधा मतलब है कि शहर में रोजाना औसतन 5 गाड़ियां चोरी हो रही हैं।

चोरी हुए वाहनों की अनुमानित कीमत 5.23 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। वहीं, पुलिस की रिकवरी दर बेहद निराशाजनक रही है। पुलिस अब तक केवल 182 वाहन (कीमत लगभग 1.01 करोड़ रुपए ही बरामद कर सकी है, जबकि 975 वाहन अभी भी गायब हैं। यानी पुलिस केवल 16% चोरी हुए वाहनों को ही खोज पाई है। शहर के सभी 38 थाना क्षेत्रों में मामले दर्ज हैं, लेकिन रिकवरी पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है।

हालांकि पुलिस ने चोरों को पकड़ने के लिए चोरी के हॉट स्पॉट जरूर चिह्नित कर लिए हैं। जानकारों की मानें तो चोरी की बाइक और अन्य गाड़ियों के स्पेयर्स पार्ट्स निकालकर चोर बेच देते हैं। ऐसे में गाड़ियों की बरामदगी के लिए पुलिस को खासी मशक्कत करनी पड़ रही है। चोरी गए वाहनों की बरामदगी में यह भी बड़ा पेंच है। हालांकि पुलिस ने शहर के कबाड़ियों पर भी निगाह रखनी शुरू कर दी है।

एआई इमेज

वाहनों के पुर्जे-पुर्जे बेच रहे

जांच में सामने आया है कि शातिर चोर गाड़ियों पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर, चेसिस नंबर से छेड़छाड़ कर या दूसरे जिलों में भेजकर खपा रहे हैं। कई मामलों में गाड़ियों को कबाड़ बाजार में पुर्जे-पुर्जे (स्पेयर पार्ट्स) अलग करके बेचा जा रहा है या ऑनलाइन प्लेटफॉर्मर्स के जरिए सेकंड-हैंड बताकर निपटाया जा रहा है।

82 हॉटस्पॉट, फिर भी सर्विलांस पर सवाल

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार शहर के बाजारों, अस्पतालों, कॉलेजों और भीड़भाड़ वाले 82 स्थानों को 'वाहन चोरी हॉटस्पॉट' के रूप में चिह्नित किया गया है। सीसीटीवी कैमरे लगे होने के बावजूद चोर वारदात को अंजाम देकर आसानी से फरार हो रहे हैं। फुटेज मिलने के बाद भी संदिग्धों की पहचान और गिरफ्तारी में भारी देरी हो रही है। चोरी के मामले में जोन-2 की हालत सबसे खराब है। सबसे ज्यादा चोरी गोविंदपुरा क्षेत्र में हुई है।

जोन-2 ही हालत सबसे खराब

जोन-2 की हालत सबसे खराब है। इसमें गोविंदपुरा टॉप पर है। यहां से सबसे ज्यादा 100 गाड़ियां चोरी हुई हैं। इसके बाद कोहेफिजा है। यहां से 89 गाड़ियां चोरी गईं। पिपलानी में 81 और निशातपुरा में 63 और अशोका गार्डन क्षेत्र से 55 गाड़ियां चोरों ने उड़ा लीं। ऐशबाग और बागसेवनिया में भी हालात बहुत अच्छे नहीं हैं। इन दोनों इलाकों से 52-52 और टीटी नगर से 51 गाड़ियां चोरी गईं। जोन-2 से 363 गाड़ियां चोरी हुईं और पुलिस सिर्फ 36 ही बरामद कर पाई। (जोन-1 से 290 चोरी हुईं, और 61 बरामद की गई। वहीं, जोन-3 से चोरी गए 255 वाहनों में से 49 बरामद जबकि जोन-4 से चोरी गए 249 वाहनों में से 36 बरामद की गई है।

मुस्तैदी से कर रहे काम

पुलिस कमिश्नर संजय कुमार का कहना है कि सभी थाना प्रभारियों को चोरी हुए वाहनों की रिकवरी और आरोपियों की धरपकड़ के लिए लगातार निर्देश दिए जा रहे हैं। पुलिस टीम वाहन चोरी रोकने के लिए मुस्तैदी से काम कर रही है।

आयोग ने डीन से पूछा-क्या यह रैगिंग की श्रेणी में है

जीएमसी में जूनियर्स के लिए 32 नियम..सीनियर्स बैठे हों तो कक्षा में न आएं...

भोपाल। दोपहर मेट्रो

गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में प्रथम वर्ष के एमबीबीएस छात्रों के लिए सीनियर्स द्वारा कथित तौर पर अघोषित 32 नियम-कायदे बनाने का मामला सामने आया है। इनमें सीनियर्स से नजरें झुकाकर बात करने, उनकी क्लास के दौरान लेक्चर थिएटर के बाहर रहने और लाइब्रेरी, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स व जेडीए कैंटीन नहीं जाने जैसे निर्देश शामिल हैं।

मामला राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) की एंटी रैगिंग सेल तक पहुंचा। आयोग ने कॉलेज डीन से संबंधित दस्तावेजों के साथ 24 घंटे में 12 अलग-अलग बिंदुओं पर जवाब मांगा है। एनएमसी ने शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखने और शिकायत या जांच में सहयोग करने वाले छात्रों के खिलाफ किसी तरह की प्रतिकूल कार्रवाई नहीं होने देने के निर्देश दिए हैं।

बातचीत के नियम भी तय

शिकायत में सीनियर्स से बातचीत के तरीके तक के नियम बताए गए हैं। जैसे-महिला सीनियर का नंबर मोबाइल में 'मिस' और पुरुष सीनियर का 'मिस्टर' लगाकर सेव करने को कहा गया है। चैट की शुरुआत ग्रीटिंग से और अंत 'गुड डे' या 'गुड नाइट' से करने का निर्देश है। पॉकेट डायरी में डे-स्कॉलर सीनियर्स के नाम, मोबाइल नंबर, ब्लड ग्रुप और भोपाल का पता लिखकर रखने को भी कहा गया है।

छात्र सीधे मिलें..

डीन डॉ. कविता एन. सिंह का कहना है कि मैंने सभी छात्रों से बातचीत की है। किसी को परेशानी है तो वह मुझसे मिलकर शिकायत कर सकता है। सभी को अपना पर्सनल नंबर दिया है। हम एनएमसी को जवाब भेज रहे हैं।

क्या यह रैगिंग..

आयोग ने पूछा-इसे रैगिंग माना जाए? एनएमसी ने पूछा-ये नियम किसने बनाए, दबाव तो नहीं डाला? क्या सीनियर्स ने ये नियम बनाए या जूनियर्स पर थोपे थे। इंटरैक्शन कब, कहां और कितनी देर हुआ? क्या यह फैकल्टी की निगरानी के बिना हुआ? आयोग ने पूछा आरोप सही पाए गए तो इसे रैगिंग की श्रेणी में माना जाए।

गूंज रहे बप्पा के जयकारे

भोपाल। गणेशोत्सव पर छोला क्षेत्र में भगवान श्री गणेश की विशाल और आकर्षक झांकी श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। भव्य पंडाल, रंग-बिरंगी रोशनी और मनमोहक सजावट के बीच विराजमान गणपति बप्पा के दर्शन के लिए शाम होते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। झांकी स्थल पर धार्मिक भजनों और 'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है।

राजभाषा पखवाड़े के तहत ऑनलाइन गूगल गोष्ठी का आयोजन

'गिरमिटिया देशों में हिन्दी पर प्रादेशिक भाषाओं और बोलियों का प्रभाव, मजदूर इसके प्रथम राजदूत'

भोपाल। दोपहर मेट्रो

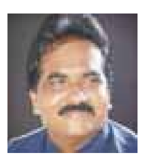
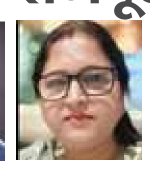

हिन्दी भाषा ने देश की सीमाओं से बाहर निकलकर न केवल दुनिया के विभिन्न देशों में अपनी पहचान बनाई है, बल्कि भारतीय संस्कृति और लोक परंपराओं को भी साथ लेकर आगे बढ़ी है। इसी विषय पर लघुकथा शोध केंद्र समिति, भोपाल ने राजभाषा पखवाड़े के 10वें दिन ऑनलाइन गूगल गोष्ठी का आयोजन किया। 'निज भाषा उन्नति' के अंतर्गत हुए कार्यक्रम में 'उज़्बेकिस्तान में हिन्दी का बढ़ता प्रभाव' और 'हिंदी भाषा के विकास में प्रवासी साहित्यकारों का योगदान' विषयों पर वक्ताओं ने विचार रखे।

मुख्य वक्ता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. मनीष कुमार मिश्रा ने कहा कि उज़्बेकिस्तान में नई पीढ़ी निरंतर हिंदी के अध्ययन और शोध से जुड़ रही है। व्यापार और सिनेमा के कारण मध्य एशिया में हिंदी का प्रभाव बढ़ा है। उन्होंने बताया कि उज़्बेकिस्तान के अनेक विद्यालयों में हिंदी एक विषय के रूप में पढ़ाई जा रही है और यहां हिंदी का भविष्य उज्ज्वल है।

वरिष्ठ साहित्यकार एवं 'प्रवासी संसार' के संपादक डॉ. राकेश पाण्डेय ने कहा कि प्रवासी हिन्दी में भारत की प्रादेशिक भाषाओं और लोक बोलियों का गहरा प्रभाव दिखाई देता है। उन्होंने गिरमिटिया मजदूरों को हिन्दी का प्रथम राजदूत बताया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. ममता माली एवं चित्रा राघव राणा ने किया। अंत में कांता रॉय ने विचार व्यक्त किए, आभार शेफालिका श्रीवास्तव ने माना।

मेट्रो एंकर रातीबड़ के पास खारी गांव में हुआ मुहूर्त, अब दो वेब सीरीज आंखें और हसीना पार्लर की शूटिंग

खूबसूरत लोकेशंस...फिल्म मेकर्स की पसंद बना भोपाल

भोपाल। दोपहर मेट्रो

खूबसूरत प्राकृतिक नजरों, ऐतिहासिक इमारतों और अलग-अलग मिजाज की लोकेशंस के कारण भोपाल और इसके आसपास के क्षेत्र फिल्म और वेब सीरीज मेकर्स की पसंद बने हुए हैं। राजधानी की विभिन्न लोकेशंस पर इन दिनों रंगबाज-4 की शूटिंग चल रही है। वहीं, रातीबड़ से करीब 15 किलोमीटर दूर पर्यटन स्थल ग्राम खारी में भी अब कैमरा...एक्शन की गूंज सुनाई देगी। यहां दो दिन पहले ही वेब सीरीज आंखें और हसीना पार्लर का मुहूर्त शूट किया गया। अब दोनों वेब सीरीज की शूटिंग की जा रही है। यह 10 दिन तक चलेगी। ये सीरीज मर्डर मिस्ट्री और कॉमेडी पर आधारित है।

मर्डर मिस्ट्री और कॉमेडी वेब सीरीज की शूटिंग

आंखें की कहानी मर्डर मिस्ट्री पर आधारित है, जबकि हसीना पार्लर कॉमेडी वेब सीरीज है। दोनों का निर्देशन मनोज जायसवाल कर रहे हैं। जायसवाल 28 फिल्मों का निर्माण, निर्देशन कर चुके हैं। दोनों सीरीज में स्थानीय कलाकारों को भी मौका दिया जा रहा है। लेखक दिलशाद शामली और एसोसिएट डायरेक्टर प्रतिभा श्रीवास्तव हैं। संगीत बाबा जागीरदार और करण शुक्ला ने दिया है। वहीं, हिना शर्मा (हसीना पार्लर में) मुख्य भूमिका निभा रही हैं।

हमीदिया में रंगबाज-4 का कैमरा रोल

इधर, रंगबाज-4 की शूटिंग हमीदिया कॉलेज में की गई। इसके साथ ही शहर की अन्य लोकेशंस पर भी इस वेब सीरीज की शूटिंग होगी। इसके लिए गौहर महल, कैम्ब्रिज हायर सेकंडरी स्कूल, पॉलिटेक्निक सर्किट हाउस, वीआईपी गेस्ट हाउस और बेनजीर पैलेस जैसी जगहों को चुना गया है। इस तरह सीरीज के अलग-अलग हिस्सों में भोपाल की ऐतिहासिक इमारतों से लेकर पुराने शैक्षणिक परिसरों में भी शूटिंग होगी। बता दें, राज्य सरकार प्रदेश में फिल्म शूटिंग को बढ़ावा दे रही है। पर्यटन निगम लगातार इस पर काम कर रहा है। साथ ही प्राकृतिक छटा निर्देशकों को लुभा रही है।

इमरजेंसी सुविधा के बाद भी समय पर मदद नहीं

भोपाल स्टेशन पर हार्टअटैक से यात्री की मौत, डेढ़ घंटे बाद पहुंची एंबुलेंस

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल रेलवे स्टेशन पर देर रात विदिशा जा रहे यात्री कैलाश पाल की हार्टअटैक से मौत हो गई। रेलवे अधिकारियों के अनुसार रात 9 बजे प्लेटफार्म-4 और 5 के बीच उनकी तबीयत बिगड़ी और उनकी मौत हो गई। वे अकेले यात्रा कर रहे थे, जिसके कारण घटना के तत्काल बाद उनके स्वजन से संपर्क करना भी चुनौती बन गया।

घटना के बाद शव को स्टेशन से ले जाने के लिए करीब डेढ़ घंटे तक एंबुलेंस का इंतजार करना पड़ा। रेलवे के पास अपनी एंबुलेंस नहीं होने की बात सामने आई है। वहीं स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होने के बावजूद एंबुलेंस की व्यवस्था में हुई देरी ने स्टेशन की आपातकालीन तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। भोपाल स्टेशन पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री आते-जाते हैं। इनमें बुजुर्ग, बीमार और अकेले यात्रा करने वाले यात्री भी शामिल होते हैं। ऐसे में किसी यात्री की तबीयत बिगड़ने पर प्राथमिक उपचार और जरूरत पर अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था महत्वपूर्ण है।

सिंहस्थ 2028 को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का फैसला

40 करोड़ की भीड़ संभालेंगे 15 हजार सेवादूत भोपाल में बनेगा अत्याधुनिक प्रशिक्षण केंद्र

स्काउट-गाइड के मास्टर ट्रेनर्स और स्वयंसेवकों को मिलेगा विशेष प्रशिक्षण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

उज्जैन में प्रस्तावित सिंहस्थ 2028 को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और श्रद्धालु सुविधाओं के लिहाज से सफल बनाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को भारत स्काउट एंड गाइड के पदाधिकारियों और सेवादूतों के साथ आयोजित विशेष संगोष्ठी में संगठन की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए व्यापक प्रशिक्षण व्यवस्था की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की आध्यात्मिक चेतना, संस्कृति और वैश्विक आस्था का विराट पर्व है। करोड़ों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए हर स्तर पर मजबूत तैयारी जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंहस्थ के दौरान भीड़ प्रबंधन, श्रद्धालुओं की सहायता और आपात परिस्थितियों से निपटने के लिए स्काउट एंड गाइड के मास्टर ट्रेनर, सेवादूतों और स्वयंसेवकों को विधिवत प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए भोपाल में अत्याधुनिक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक प्रशिक्षण केंद्र बनकर तैयार नहीं हो जाता और वहां प्रशिक्षण शुरू नहीं होता, तब तक आवश्यकता के अनुसार सांदीपनि विद्यालय के भवनों और परिसरों का उपयोग किया जा सकता है। सरकार का उद्देश्य स्वयंसेवकों को व्यवस्थित तरीके से तैयार करना है, ताकि सिंहस्थ के दौरान सेवा कार्यों में किसी तरह की कमी न रहे।

सेवा-अनुशासन के साथ मैदान में उतरेंगे स्वयंसेवक

मुख्यमंत्री ने भारत स्काउट एंड गाइड के मूल मंत्र 'सेवा' और ध्येय वाक्य 'तैयार रहो' का उल्लेख करते हुए संगठन की कार्यशैली और समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्काउट एंड गाइड ने अपनी सेवा भावना और अनुशासन के बल पर विश्व स्तर पर पहचान बनाई है। डॉ. यादव ने कहा कि उन्होंने पिछले 15 वर्षों से अधिक समय में उज्जैन सिंहस्थ के आयोजनों में संगठन की कार्यशैली और क्षमता को करीब से देखा है। सिंहस्थ 2028 में सेवा, प्रबंधन क्षमता और सुशासन की व्यापक परीक्षा होगी। इसलिए सभी सेवादूतों और स्वयंसेवकों को संभावित चुनौतियों के लिए हमेशा तैयार रहना होगा।

बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन का अनुमान

मुख्यमंत्री ने बताया कि सिंहस्थ 2028 में करीब 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए भीड़ नियंत्रण सबसे बड़ी चुनौतियों में शामिल रहेगा। सरकार द्वारा आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं को मजबूत करने के लिए विभिन्न स्तरों पर तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ 2016 में लगभग 7,500 स्काउट एवं गाइड ने 10 शिविरों के माध्यम से सेवा कार्य किया था। इस बार सेवा का दायरा और व्यापक किया जाएगा। सिंहस्थ 2028 में 15 हजार से अधिक प्रशिक्षित स्वयंसेवक 20 से अधिक शिविरों के जरिए अपनी जिम्मेदारियां निभाएंगे।

युवाओं को मिलेगी ट्रेनिंग

सेवा कार्यों के लिए प्रशिक्षण का खाका भी संगोष्ठी में सामने रखा गया। आपदा प्रबंधन संस्थान के सहयोग से 100 मास्टर ट्रेनर तैयार किए जाएंगे। इसके बाद प्रदेश के प्रत्येक जिले से 500 युवाओं को सेवादूत के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। उज्जैन संभाग के सभी जिलों से एक-एक हजार युवाओं को प्रशिक्षण देने की योजना है। इस व्यवस्था का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित युवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना है, ताकि श्रद्धालुओं की सहायता, भीड़ नियंत्रण और जरूरत के समय त्वरित सहयोग उपलब्ध कराया जा सके।

अफवाहों पर रोक लगाने के लिए डिजिटल प्रशिक्षण

स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि श्री महाकाल लोक के निर्माण के बाद उज्जैन में धार्मिक पर्यटन तेजी से बढ़ा है। इस वर्ष भी यहां 12 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। ऐसे में स्काउट एंड गाइड को सिंहस्थ की सेवा व्यवस्था के लिए पूरी तरह तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में इंटरनेट और सोशल मीडिया की भूमिका लगातार बढ़ रही है। इसलिए स्वयंसेवकों को सोशल मीडिया के माध्यम से फैलने वाली अफवाहों की पहचान करने और उन्हें रोकने के लिए भी प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।

जनगणना और परिसीमन के कारण फंसा पेच

प्रदेश में छह महीने टल सकते हैं निकाय चुनाव

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में अगले वर्ष होने वाले निकाय चुनाव जनगणना के कारण प्रभावित हो सकते हैं। इसकी वजह वार्ड से लेकर नगर परिषद, नगर पालिका और नगर निगमों की आरक्षण प्रक्रिया है। इसकी प्रक्रिया शुरू करने का समय आ चुका है लेकिन जनगणना का कार्य चलने के कारण राज्य सरकारइसे आगे बढ़ा सकती है। दरअसल, जनगणना के बाद नए वार्ड बनेंगे और वर्तमान नगरीय निकायों की सीमाएं भी परिवर्तित होंगी। इसे देखते हुए चुनाव छह माह के लिए आगे बढ़ाए जा सकते हैं। हाल ही में कानून व्यवस्था और वर्षा की स्थिति का हवाला देकर कुछ निकायों के चुनाव स्थगित कराए गए हैं।

सीधे मतदाताओं द्वारा कराया जाएगा चुनाव

प्रदेश में 16 नगर निगम, 99 नगर पालिका व 298 नगर परिषद मिलाकर 413 नगरीय निकाय हैं। इनके महापौर, अध्यक्ष के साथ 7,679 वार्ड पार्षद पद के लिए चुनाव कराए जाने हैं। इस बार नगर पालिका और नगर परिषद के अध्यक्ष का चुनाव भी प्रत्यक्ष प्रणाली यानी सीधे मतदाताओं द्वारा कराया जाएगा।

एससी-एसटी और ओबीसी के साथ महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण रहेगा। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने महापौर और अध्यक्ष पद के आरक्षण के लिए विभाग ने आयुक्त, नगरीय प्रशासन एवं विकास को विहित प्राधिकारी घोषित कर दिया है। चूंकि, जनगणना की प्रक्रिया चल रही है इसलिए न तो वार्ड परिसीमन हो सकता है और न ही नए नियम बनाए जा सकते हैं। जबकि, सरकार द्वारा कुछ पंचायतों को मिलाकर नगर परिषद बनाने की घोषणा की है। जनगणना की प्रक्रिया पूरी होने तक इनका गठन नहीं हो सकता।

सरकार की रणनीति

सूत्रों का कहना है कि सरकार चुनाव को लेकर किसी भी प्रकार की जल्दबाजी नहीं करना चाहती है, इसलिए सहकारी समितियों के चुनाव भी हाई कोर्ट द्वारा बार-बार निर्देश देने के बाद भी नहीं कराए जा रहे हैं। नगरीय निकाय के चुनाव दलीय आधार पर होते हैं। इसके परिणामों को असर राजनीतिक दलों की विधानसभा चुनाव की तैयारी के साथ वातावरण पर पड़ता है। वर्ष 2022 के चुनाव में महापौर पद का चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली यानी सीधे मतदाताओं के माध्यम से हुआ था। 16 में से पांच नगर निगमों में कांग्रेस के महापौर चुने गए थे, जबकि सिंगरौली नगर निगम में महापौर आम आदमी पार्टी की रानी अग्रवाल जीती थीं।

भोपाल में जनवरी में होगा निवेश का महाकुंभ

पीएम मोदी की मौजूदगी में होगी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट

कमिश्नर ने तैयारियों को लेकर की मीटिंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के सतगढ़ी स्थित स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क में जनवरी 2027 में प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में प्रस्तावित इस आयोजन को लेकर प्रशासन ने विभिन्न विभागों को तैयारियों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। भोपाल संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने अधिकारियों के साथ बैठक कर आयोजन स्थल से लेकर शहर की सड़कों, पर्यटन स्थलों और अतिथि सुविधाओं तक की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। जीआईएस-2027 को मध्यप्रदेश की औद्योगिक क्षमता और निवेश संभावनाओं को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने के महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखा जा रहा है। प्रस्तावित समिट में 'सप्तधारा' विजन के तहत सात प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा केंद्रित रहेगी। इनमें विनिर्माण, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, बुनियादी ढांचा, रक्षा, हरित एवं नीली अर्थव्यवस्था तथा सॉफ्ट पावर शामिल हैं।

सांची से उज्जैन तक पर्यटन मार्ग होंगे बेहतर

समिट में आने वाले विदेशी प्रतिनिधियों और अन्य अतिथियों के लिए मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों के भ्रमण की योजना भी बनाई जा सकती है। इसे देखते हुए सांची के बौद्ध स्तूप, भीमबेटका की शैलकला, भोजपुर मंदिर और उज्जैन जैसे प्रमुख स्थलों से जुड़े मार्गों को सुगम और आकर्षक बनाने पर जोर दिया गया है। संभागायुक्त ने लोक निर्माण विभाग, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, नगर निगम और मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के अधिकारियों को प्रमुख सड़कों, चौराहों और संपर्क मार्गों के सुधार कार्य तत्काल शुरू कराने के निर्देश दिए।

'छात्रों की गूंज' के बाद एमपी यूथ कांग्रेस में घमासान, उपाध्यक्ष स्वीटी बोलीं-

अपराधी अंदर बैठे थे, मुझे पास के लिए घंटो भटकाया

भोपाल, दोपहर मेट्रो

इंदौर में 19 सितंबर को हुए राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में एंट्री का एक विवाद सामने आया है। मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष स्वीटी पाटिल ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- मुझे पास के लिए घंटों भटकाया गया। अपराधी और गलत लोग सभागार के अंदर बैठे थे। मेहनत करने वाले पदाधिकारियों को पास नहीं मिले। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। स्वीटी के आरोपों और वॉट्सएप ग्रुप पर हुई बहस को लेकर यश घनघोरिया ने कहा- मुझे इस तरह के किसी मामले की जानकारी नहीं हैं। किसने क्या लिखा है ये बिलकुल भी मेरे संज्ञान में नहीं हैं।

स्वीटी ने युवा कांग्रेस के वाट्सएप ग्रुप में भी अपनी नाराजगी जाहिर की। उनका कहना है कि उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। इसके बावजूद कार्यक्रम से पहले संगठन के लोगों से पास की व्यवस्था की जानकारी मांगी थी। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष से कहा था कि यदि उन्हें समय पर पास मिल जाए तो वह भीड़ पहुंचने से पहले कार्यक्रम स्थल पर पहुंच जाएंगी, लेकिन शाम करीब 5 बजे तक पास की व्यवस्था नहीं हुई। इसके बाद उन्हें पता चला कि एक लड़का रेडिसन होटल में है और पास उसके पास है। स्वीटी का कहना है कि उन्हें रेडिसन होटल जाना पड़ा और जब तक वह कार्यक्रम स्थल पहुंचीं, तब तक भारी भीड़ हो चुकी थी।

स्वीटी का सवाल- अध्यक्ष कौन, उपाध्यक्ष कौन और प्रभारी कौन?

वॉट्सएप मैसेज में स्वीटी ने व्यवस्थाओं पर सवाल उठाते हुए लिखा कि यदि अध्यक्ष और प्रभारी की जिम्मेदारी ली है तो कुछ जिम्मेदारियां भी उठानी चाहिए। उन्हें समझ नहीं आ रहा कि अध्यक्ष कौन है, उपाध्यक्ष कौन है, प्रभारी कौन है। उन्होंने यह भी लिखा कि उनके साथ यह पांचवीं बार गलत व्यवहार हुआ है और यदि व्यवस्था संभल नहीं रही है तो जिम्मेदारी छोड़ देनी चाहिए।

ई-मोबिलिटी में मध्यप्रदेश की लंबी छलांग

देश में 23वें से 7वें पायदान पर पहुंचा प्रदेश, पंजीयन में 124 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश ने हरित परिवहन और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के मामले में बड़ी प्रगति दर्ज की है। नीति आयोग की 'इंडिया इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इंडेक्स 2025' रिपोर्ट में मध्यप्रदेश देश में सातवें स्थान पर पहुंच गया है। खास बात यह है कि वर्ष 2024 के सूचकांक में प्रदेश 31 अंकों के साथ 23वें स्थान पर था। अब प्रदेश के अंक बढ़कर 59 हो गए हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते पंजीयन, चार्जिंग नेटवर्क के विस्तार और ई-मोबिलिटी से जुड़ी नीतियों को इस बदलाव की प्रमुख वजह बताया गया है।

प्रदेश में 'मध्यप्रदेश ई-वाहन नीति 2025' के क्रियान्वयन के साथ इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में कई नई पहल शुरू की गई हैं। नागरिकों और उद्योग जगत को डिजिटल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 'ईवी तरंग पोर्टल' शुरू किया गया है। इसके माध्यम से ई-मोबिलिटी से जुड़ी सेवाओं तक पहुंच आसान बनाने का प्रयास किया गया है। इसके साथ ही भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर और उज्जैन को मॉडल ईवी सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन शहरों में इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने और जरूरी सुविधाओं का विस्तार करने पर जोर दिया गया है।

ई-वाहनों के पंजीयन में 124 प्रतिशत उछाल

प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग तेजी से बढ़ी है। आंकड़ों के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2024-25 में 58,524 इलेक्ट्रिक वाहनों का पंजीयन हुआ था। यह संख्या वित्तीय वर्ष 2025-26 में बढ़कर 1,31,158 हो गई। यानी एक साल में पंजीयन में 124 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहनों का पंजीयन 54,108 से बढ़कर 1,06,136 हो गया। वहीं तिपहिया वाहनों का आंकड़ा 3,061 से बढ़कर 19,003 और चार पहिया इलेक्ट्रिक वाहनों का पंजीयन 1,284 से बढ़कर 3,486 हो गया।

चार्जिंग स्टेशनों का भी तेजी से विस्तार

इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती संख्या के साथ चार्जिंग सुविधाओं का नेटवर्क भी मजबूत किया गया है। वर्ष 2026 की अद्यतन स्थिति के अनुसार प्रदेश में 1,780 चार्जिंग स्टेशन संचालित हो रहे हैं। इनमें सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों आईओसीएल, बीपीसीएल और एचपीसीएल के 650 स्टेशन शामिल हैं।

आयुर्वेद चिकित्सा को मिलेगी नई रफ्तार

भोपाल। आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने शासकीय आयुर्वेद जिला चिकित्सालय, भोपाल में विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत भूमि-पूजन किया। इन कार्यों से अस्पताल की सुविधाओं में विस्तार होगा और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर मंत्री श्री परमार ने कहा कि आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को मजबूत बनाने और आमजन तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। विकास कार्यों के पूरा होने के बाद चिकित्सालय में उपचार, मरीजों की सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवाओं के स्तर में और सुधार होने की उम्मीद है। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारी, चिकित्सक और अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

समर्थन मूल्य पर खरीफ फसल बेचने का मौका

10 अक्टूबर तक पंजीयन का मौका अब तक जुड़ चुके 13,508 किसान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार और बाजरा बेचने के लिए किसानों का पंजीयन जारी है। प्रदेश में अब तक 13 हजार 508 किसान अपना पंजीयन करा चुके हैं। पंजीयन की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर निर्धारित की गई है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने किसानों से अपील की है कि वे निर्धारित समय-सीमा में पंजीयन पूरा करा लें, ताकि फसल बेचने के दौरान किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

सरकार ने किसानों की सुविधा के लिए प्रदेशभर में 1100 से अधिक पंजीयन केंद्र स्थापित किए हैं। ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत और तहसील कार्यालयों में बनाए गए सुविधा केंद्रों के साथ सहकारी समितियों और सहकारी विपणन संस्थाओं के केंद्रों पर निःशुल्क पंजीयन की व्यवस्था की गई है। वहीं एमपी ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केंद्र और निजी साइबर कैफे से भी पंजीयन कराया जा सकता है। इन केंद्रों पर प्रति पंजीयन अधिकतम 50 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है।

मेट्रो एंकर — स्वच्छता से साइबर सुरक्षा तक, जनभागीदारी को जनआंदोलन बनाने की तैयारी

मप्र में 2 से 10 अक्टूबर तक चलेगा 'सेवा मेरा योगदान' अभियान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में सेवा भावना को सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ने के उद्देश्य से 'सेवा मेरा योगदान' अभियान शुरू किया जा रहा है। योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग ने अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आदेश जारी किए हैं। सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत यह पहल 2 से 10 अक्टूबर तक प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित होगी।

अभियान का उद्देश्य समाज के हर वर्ग को सेवा गतिविधियों से जोड़कर जनभागीदारी को व्यापक स्वरूप देना है। इसके लिए 10 प्रमुख गतिविधियां तय की गई हैं, जिनमें स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, योग एवं ध्यान, साइबर सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, नशामुक्ति, 'वोकल फॉर लोकल', वीर गाथा एवं सैनिक सम्मान, सरकारी योजनाओं की जागरूकता तथा अनाथालय और वृद्धाश्रमों में सेवा शामिल हैं। 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर 'स्वच्छता ही सेवा' और वृक्षारोपण अभियान से शुरुआत होगी। गांवों और शहरों में धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों, स्कूल-कॉलेजों, बाजारों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, अस्पतालों और गौशालाओं में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। कुएं, तालाब, बावड़ी, नदी तट और घाटों पर श्रमदान भी होगा। पौधारोपण के साथ उनके संरक्षण की जिम्मेदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर रहेगा। 3 अक्टूबर को योग एवं ध्यान सत्र आयोजित किए जाएंगे। वहीं 4 अक्टूबर को साइबर सुरक्षा को लेकर जागरूकता कार्यक्रम होंगे। नागरिकों को ऑनलाइन ठगी, ओटीपी, सीवीवी, आधार नंबर और सोशल मीडिया की सुरक्षा के बारे में जानकारी दी जाएगी। 5 अक्टूबर को सड़क सुरक्षा अभियान के तहत हेलमेट, सीट बेल्ट, ड्राइविंग लाइसेंस और यातायात नियमों के पालन को लेकर रैलियां और जागरूकता कार्यक्रम होंगे।

नशामुक्ति से लोकल उत्पादों तक

6 अक्टूबर को 'नशामुक्त भारत' के तहत रैलियां, प्रदर्शनियां और जनजागरूकता कार्यक्रम होंगे। वहीं 8 अक्टूबर को 'वोकल फॉर लोकल सहयोग' के तहत स्थानीय उत्पादों, कारीगरों और महिला स्व-सहायता समूहों को बढ़ावा दिया जाएगा। इसी दिन वीर गाथा एवं सैनिक सम्मान कार्यक्रमों में पूर्व सैनिकों, शहीदों के परिजनों और बहादुरी का परिचय देने वाले लोगों का सम्मान किया जाएगा। 9 अक्टूबर को सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए शिविर और लाभार्थी संवाद आयोजित होंगे। समग्र, अपार और आधार जैसे दस्तावेजों को अपडेट कराने तथा जॉब कार्ड जैसी सुविधाओं के लिए भी शिविर लगाए जाएंगे। अभियान के अंतिम दिन 10 अक्टूबर को अनाथालयों और वृद्धाश्रमों में सेवा गतिविधियां, स्वास्थ्य शिविर और आवश्यक सामग्री वितरण किया जाएगा। अभियान के लिए जिला स्तर से ग्राम पंचायत, नगरीय निकाय और वार्ड स्तर तक कार्ययोजना बनाई जाएगी। प्रत्येक गतिविधि के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त होंगे।

सुविधाओं के बीच संतुलन

शहरों की पहचान केवल ऊंची इमारतों और चौड़ी सड़कों से नहीं होती। असली पहचान इस बात से होती है कि रहने, कारोबार, यातायात और सार्वजनिक सुविधाओं के बीच कितना संतुलन है। दुर्भाग्य यह है कि हमारे शहरों में यह संतुलन अक्सर नक्शों और नियमों तक सीमित रह जाता है। आवासीय मकानों में नियमों को ताक पर रखकर व्यावसायिक गतिविधियां चलना इसी विफलता का उदाहरण है। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के नगर निकायों को आवासीय संपत्तियों के व्यावसायिक इस्तेमाल की जांच करने और नियमों का उल्लंघन मिलने पर उन्हें सील करने का निर्देश दिया है। यह केवल अवैध दुकानों या कार्यालयों पर कार्रवाई का आदेश नहीं, बल्कि नगर निकायों की उस जिम्मेदारी की याद भी है, जिसे लंबे समय से नजरअंदाज किया जाता रहा है। एक घर में दुकान खुलने का असर केवल एक शटर तक सीमित नहीं रहता। उसके साथ बढ़ता यातायात, पार्किंग का संकट, शोर, कचरा और सुरक्षा संबंधी समस्याएं पूरे मोहल्ले का स्वरूप बदल देती हैं। जिस सड़क को लोगों के शांत आवासीय जीवन के लिए बनाया गया था, वह धीरे-धीरे बाजार में बदलने लगती है। लेकिन कार्रवाई का अर्थ मनमानी नहीं हो सकता। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि चुनिंदा कार्रवाई स्वीकार नहीं होगी। यही निर्देश का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष है। यदि एक ही नियम का उल्लंघन करने वाले कई लोग हैं तो कानून का पैमाना भी सबके लिए समान होना चाहिए। किसी एक दुकान पर कार्रवाई और दूसरी को राजनीतिक या प्रशासनिक संरक्षण मिलना व्यवस्था पर सवाल खड़ा करेगा। साथ ही नगर निकायों को अपने भीतर भी झांकना होगा। जिन अवैध गतिविधियों की पहचान आज हो रही है, वे वर्षों तक अधिकारियों की नजर से कैसे बचीं? क्या निगरानी व्यवस्था कमजोर थी? क्या शिकायतों पर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई? या फिर नियमों का पालन कराने की इच्छाशक्ति ही कमजोर रही? सुप्रीम कोर्ट का निर्देश शहरों को एक जरूरी बात याद दिलाता है- नियोजन केवल नक्शे पर खींची गई रेखाएं नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की व्यवस्था है। कार्रवाई हो, लेकिन पारदर्शी सर्वे और समान मानदंड के साथ। नियम टूटे हैं तो कार्रवाई हो, मगर सभी पर एक समान। क्योंकि शहर तभी व्यवस्थित कहलाएगा, जब घर को घर और कारोबार को कारोबार की जगह मिले।

वर्षों की मेहनत और चोटों से लड़ने का संघर्ष, रजत में चमका मीराबाई का सपना

कुमार कृष्णन
स्तंभकार

मंच पर वजन उठाते हुए मीराबाई चानू के सामने केवल लोहे की छड़ नहीं थी। उस पर वर्षों की मेहनत, चोटों से लौटने का संघर्ष और एक ऐसा सपना रखा था, जो उनके शानदार करियर के बावजूद अधूरा था। बुधवार को एशियाई खेलों में महिलाओं की 49 किलोग्राम भारवर्ग की स्पर्धा में जब उन्होंने कुल 198 किलोग्राम वजन उठाकर रजत पदक जीता, तो उनके खाते में एक और पदक जुड़ा। लेकिन इस पदक का अर्थ पदक तालिका की एक पंक्ति से कहीं बड़ा है।

मीराबाई ने स्नैच में 87 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 111 किलोग्राम वजन उठाया। यह आंकड़ा उनकी उपलब्धि का सबसे सीधा परिचय है। मगर खेल की असली कहानी अक्सर आंकड़ों के बाहर लिखी जाती है। वह उन घंटों में लिखी जाती है, जब खिलाड़ी अकेले अभ्यास करता है; उन दिनों में जब चोट के कारण मैदान से बाहर रहना पड़ता है; और उन रातों में जब पिछली असफलता अगले प्रयास पर भारी पड़ती है। मीराबाई के लिए एशियाई खेलों का पदक ऐसा ही एक अधूरा अध्याय था। 2014 के एशियाई खेलों में वह नौवें स्थान पर रही थीं। 2018 में चोट ने उन्हें प्रतियोगिता से दूर कर दिया। 2023 के हांगझोऊ एशियाई खेलों में वह चौथे स्थान पर रहीं। वहां जांघ की चोट ने उनके क्लीन एंड जर्क को भी प्रभावित किया। एक खिलाड़ी के लिए चौथा स्थान कभी-कभी सबसे कठिन स्थान होता है–पदक सामने दिखाई देता है, लेकिन हाथ नहीं आता।

इस बार वह दूरी खत्म हुई। पदक जीतने के बाद मीराबाई ने कहा कि आखिरकार उन्होंने वह पदक जीत लिया, जिसका उन्हें कई वर्षों से इंतजार था। उन्होंने बताया कि जब से उन्होंने भारोत्तोलन शुरू किया था, तब से एशियाई खेलों का पदक उनका सपना था। आज सपना पूरा हुआ और उन्हें खुद पर गर्व है।

इन शब्दों को सुनते हुए शायद यह समझना जरूरी है कि बड़े खिलाड़ी के लिए भी हर उपलब्धि एक जैसी नहीं होती। ओलंपिक रजत पदक उनके पास है। विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण उनके नाम है। राष्ट्रमंडल खेलों में उन्होंने कई स्वर्ण जीते हैं। फिर भी एशियाई खेलों का पदक उनके लिए जरूरी था। क्योंकि खेल में उपलब्धियों की सूची जितनी लंबी होती जाती है, अधूरे हिस्से उतने ही स्पष्ट दिखाई देते हैं। यही खेल का विरोधाभास है। बाहर से देखने वाले के लिए खिलाड़ी पदकों का नाम बन जाता है। खिलाड़ी के भीतर मगर हर पदक के पीछे एक अलग कहानी होती है।मीराबाई की कहानी में सफलता जितनी महत्वपूर्ण है, वापसी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। चोट से लौटना केवल शरीर को ठीक करना नहीं है। यह अपने ऊपर भरोसा फिर से खड़ा करना है। जब कोई खिलाड़ी एक बार असफल होता है तो अगली प्रतियोगिता में केवल प्रतिद्वंद्वी से मुकाबला नहीं करता, अपने पिछले परिणाम की स्मृति से भी लड़ता है।

मीराबाई ने इस स्मृति को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया।

उनका रजत भारत के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि भारोत्तोलन में एशियाई खेलों का पिछला पदक 1998 के बैंकॉक खेलों में कर्णम मल्लेश्वरी ने जीता था। करीब तीन दशक के इस अंतराल के बाद भारतीय भारोत्तोलन को फिर एशियाई खेलों के मंच पर पदक मिला है। मीराबाई के रजत ने उस लंबे इंतजार को भी समाप्त किया। लेकिन यहां से एक दूसरा सवाल उठता है। क्या किसी एक खिलाड़ी की असाधारण क्षमता और इच्छाशक्ति को ही हमारी खेल व्यवस्था की सफलता मान लिया जाए?

पदक जीतने के बाद जश्न स्वाभाविक है। खिलाड़ी का सम्मान भी होना चाहिए। लेकिन पदक की चमक के पीछे जो व्यवस्था है, उस पर बात करना भी उतना ही जरूरी है। प्रशिक्षण की गुणवत्ता, खेल विज्ञान, पोषण, चोट से बचाव, पुनर्वास, प्रशिक्षकों की उपलब्धता और प्रतिभा की पहचान–ये वे चीजें हैं जो किसी खिलाड़ी की सफलता के पीछे चुपचाप काम करती हैं।

हम अक्सर अंतिम क्षण देखते हैं। खिलाड़ी ने कितना वजन उठाया, किसे हराया, कौन-सा पदक जीता–इनका हिसाब आसानी से लगाया जा सकता है। मगर यह हिसाब कौन रखता है कि उस पदक तक पहुंचने में कितनी बार खिलाड़ी को अपने शरीर की सीमा से आगे जाना पड़ा? कितनी बार उसे चोट से उबरना पड़ा? कितनी बार उसे अपने परिवार, अपने आर्थिक संसाधनों और भविष्य को लेकर अनिश्चितताओं के बीच अभ्यास करना पड़ा?

मीराबाई की सफलता इन सवालों को सामने लाती है।भारत में खेल का दायरा पिछले वर्षों में निश्चित रूप से बढ़ा है। गैर-क्रिकेट खेलों के खिलाड़ियों को भी पहचान मिल रही है। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारतीय खिलाड़ियों की उपस्थिति बढ़ी है। लेकिन प्रतिभा को पदक में बदलने की प्रक्रिया अभी भी कई स्तरों पर निरंतर निवेश और संस्थागत समर्थन मांगती है।

खासकर महिला खिलाड़ियों के लिए यह प्रश्न और महत्वपूर्ण है। खेल केवल मैदान तक सीमित नहीं है। परिवार, सामाजिक अपेक्षाएं, सुरक्षा, शिक्षा और भविष्य की चिंता भी उनके रास्ते का हिस्सा होती हैं। जो खिलाड़ी इन सबके बीच आगे निकलती है, उसकी सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं रहती। वह एक सामाजिक संदेश भी बनती है कि अवसर मिलने पर लड़कियां किसी भी क्षेत्र में ऊंचाई हासिल कर सकती हैं। मीराबाई की यात्रा इसी बात का उदाहरण है।उन्होंने ग्लासगो की अपनी पुरानी जीत को भी याद किया। वहां सफलता के बाद उनकी आंखों में खुशी के आंसू थे। इस बार एशियाई खेलों में पदक मिलने के बाद उन्होंने कहा कि वह नहीं रोईं। शायद हर खुशी आंसुओं से व्यक्त नहीं होती। कुछ खुशियां लंबे संघर्ष के बाद भीतर उतरकर एक शांत संतोष बन जाती हैं। लेकिन मीराबाई के सामने अब एक और सवाल है–अगला लक्ष्य क्या है? किसी खिलाड़ी का जीवन केवल उस दिन खत्म नहीं हो जाता जब वह पदक जीतता है। बल्कि कई बार पदक के बाद अपेक्षाएं और बढ़ जाती हैं। देश उससे अगली जीत की उम्मीद करने लगता है। मीडिया उसकी हर प्रतियोगिता को परिणाम की कसौटी पर देखने लगता है। प्रशंसक भूल जाते हैं कि पदक जीतने वाला शरीर भी थकता है, चोटिल होता है और उसे विश्राम चाहिए।

मीराबाई ने इस बार भारत का सपना अपने कंधों पर उठाया और उसे रजत की चमक दी है। अब सवाल यह है कि हम उस सपने को कितनी दूर तक ले जाते हैं।

क्योंकि किसी देश की खेल सफलता केवल पदकों की संख्या से नहीं मापी जाती। वह इस बात से भी मापी जाती है कि उसके खिलाड़ियों के सपनों के लिए व्यवस्था कितनी मजबूत है।

मीराबाई का सपना अब अधूरा नहीं रहा। रजत में वह सपना चमक रहा है। अब उस चमक से अगली पीढ़ी का।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में भारतीय सिनेमा की बहुभाषी और बहुरंगी तस्वीर

विनोद सिंह 'तकियावाला'
स्तंभकार

भारतीय सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है,बल्कि यह भारत की बहुभाषी, बहुसांस्कृतिक और बहुरंगी सामाजिक चेतना का जीवंत दस्तावेज भी है। देश के अलग-अलग हिस्सों में बोली जाने वाली भाषाएँ, लोक परंपराएँ, सामाजिक संघर्ष,बदलते जीवन-मूल्य,आकांक्षाएँ और सपने जब रुपहले पर्दे पर आते हैं तो वे केवल किसी एक प्रदेश की कहानी नहीं रह जाते, बल्कि पूरे भारत की सामूहिक अनुभूति का हिस्सा बन जाते हैं। 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का आयोजन इसी व्यापक भारतीय सिनेमाई चेतना को सामने लाने वाला अवसर बना। गुजरात के एकता नगर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा पुरस्कार प्रदान किया जाना अपने आप में इस समारोह को एक अलग राष्ट्रीय अर्थ देता है।राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का महत्व केवल पुरस्कार पाने वाले कलाकारों और फिल्मों तक सीमित नहीं है। यह भारतीय सिनेमा की उस रचनात्मक यात्रा का सम्मान है, जिसमें देश की अलग-अलग भाषाओं और क्षेत्रों के फिल्मकार अपने-अपने समाज की कहानियों को राष्ट्रीय मंच तक लेकर आते हैं। इस बार भी लगभग 400 फीचर फिल्मों ने 34 भाषाओं में और 161 गैर-फीचर फिल्मों ने 24 भाषाओं में पुरस्कारों के लिए अपनी दावेदारी प्रस्तुत की। इनमें से 22 फीचर फिल्मों और 23 गैर- फीचर फिल्मों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए गए। यह संख्या बताती है कि भारतीय सिनेमा का विस्तार किसी एक भाषा, प्रदेश या शैली तक सीमित नहीं है।इस समारोह का सबसे भावपूर्ण क्षण दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से अभिनेता अनंत नाग को सम्मानित किया जाना रहा। वर्ष 2024 के दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित अनंत नाग ने अपने लंबे अभिनय जीवन की स्मृतियों को साझा करते हुए उस संघर्षपूर्ण यात्रा को याद किया, जिसने उन्हें रंगमंच से भारतीय सिनेमा तक पहुँचाया।आश्रम में बचपन बिताने से लेकर मुंबई पहुँचने और रंगमंच से जुड़ने तक का उनका सफर इस बात का प्रमाण है कि कला की दुनिया में बड़ी पहचान के पीछे वर्षों की साधना, संघर्ष और निरंतर सीखने की प्रक्रिया होती है। फिल्मों में आने से पहले लगभग 50 नाटकों में अभिनय का अनुभव उनके अभिनय जीवन की मजबूत बुनियाद बना। श्याम बेनेगल जैसे महत्वपूर्ण फिल्मकार के साथ काम करने के बाद उन्होंने कन्नड़ सिनेमा और बेंगलुरु को अपनी कर्मभूमि बनाया। पिछले वर्ष राष्ट्रपति द्वारा उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया जाना भी उनके दीर्घकालिक योगदान की राष्ट्रीय स्वीकृति का प्रमाण है।अनंत नाग की यात्रा भारतीय सिनेमा के उस स्वरूप को सामने लाती है,जिसमें कलाकार केवल पर्दे पर दिखाई देने वाला चेहरा नहीं होता, बल्कि वह अपने समय, समाज और संस्कृति का संवाहक भी होता है। एक कलाकार का जीवन कई पीढ़ियों को प्रभावित करता है। इसलिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का यह आग्रह विशेष महत्व रखता है कि फिल्म जगत से जुड़े लोग स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा दें और ऐसे पदार्थों के प्रचार से बचें जो समाज और विशेषकर युवाओं के लिए हानिकारक हो सकते हैं। कलाकारों की लोकप्रियता उन्हें सामाजिक जिम्मेदारी भी प्रदान करती है। युवा पीढ़ी अपने पसंदीदा कलाकारों के व्यवहार और संदेश से प्रभावित होती है। ऐसे में सिनेमा की सामाजिक भूमिका पर्दे से बाहर भी दिखाई देती है।राष्ट्रपति ने भारतीय सिनेमा को भारत की विविध भाषाओं, परंपराओं, आकांक्षाओं और संघर्षों का प्रतिबिंब बताते हुए रचनात्मक क्षेत्र में काम करने वाले छोटे कलाकारों, सहायकों और संघर्षरत कर्मियों की गरिमा तथा सामाजिक सुरक्षा की आवश्यकता पर भी बल दिया। यह पहलू अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि किसी फिल्म की सफलता के पीछे केवल अभिनेता, निर्देशक या निर्माता नहीं होते। पर्दे के पीछे काम करने वाले असंख्य तकनीशियन, सहायक कलाकार, लेखक, संपादक, कैमरामैन,मेकअप कलाकार और अन्य कर्मियों का योगदान भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। रचनात्मक अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए इस पूरे तंत्र को सम्मान और सुरक्षा देना आवश्यक है। महिलाओं की सभी निर्णायक मंडलियों में भागीदारी बढ़ाने का संदेश भी सिनेमा के बदलते स्वरूप और अधिक समावेशी रचनात्मक व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण संकेत है।

एकता नगर में आयोजित यह समारोह अपने स्थान के कारण भी विशेष रहा। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने दिल्ली से बाहर राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह आयोजित करने की परंपरा को महत्वपूर्ण बताते हुए इसे सरदार वल्लभभाई पटेल की राष्ट्रीय एकता की भावना से जोड़ा। एकता नगर स्वयं उस राष्ट्रीय एकता की स्मृति से जुड़ा स्थान है, जहाँ लौह पुरुष सरदार पटेल की विराट प्रतिमा देश की एकजुटता का संदेश देती है। ऐसे स्थान पर भारतीय सिनेमा का राष्ट्रीय सम्मान समारोह आयोजित होना इस तथ्य को रेखांकित करता है कि संस्कृति और सिनेमा भी देश को जोड़ने वाली शक्तियाँ हैं।

आज भारतीय सिनेमा एक ऐसे दौर में प्रवेश कर रहा है जहाँ परंपरा और तकनीक का मेल दिखाई देता है। एक ओर अनंत नाग जैसे वरिष्ठ कलाकारों की दशकों लंबी साधना भारतीय अभिनय परंपरा की विरासत को आगे बढ़ाती है, वहीं दूसरी ओर छोटे शहरों, क्षेत्रीय भाषाओं और नई पीढ़ी के फिल्मकार नई कथाओं और नए प्रयोगों के साथ सामने आ रहे हैं। यही निरंतरता भारतीय सिनेमा को जीवंत बनाए रखती है।एकता नगर में 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का आयोजन इसलिए भी स्मरणीय रहेगा कि यहाँ पुरस्कारों की चमक के साथ भारतीय सिनेमा की व्यापक जिम्मेदारी का संदेश भी सामने आया। सिनेमा को स्वस्थ समाज, पर्यावरण चेतना, प्रेम, भाईचारे, राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण से जोड़ने की अपेक्षा केवल कलाकारों के लिए संदेश नहीं है, बल्कि यह पूरे रचनात्मक समाज के लिए दिशा का संकेत है। भारत की विविधता को समझने, उसकी अनेक भाषाओं को सम्मान देने और उसकी बदलती आकांक्षाओं को अभिव्यक्ति देने में सिनेमा की भूमिका आने वाले समय में और बढ़ेगी। रुपहले पर्दे पर दिखाई देने वाली कहानियाँ जब भारत के गाँव, कस्बे, शहर, जनजातीय समाज, युवा पीढ़ी, महिलाएँ और संघर्षरत सामान्य नागरिक की आवाज बनती हैं,तब सिनेमा वास्तव में समाज का आईना बन जाता है। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार उसी आईने में दिखाई देने वाली भारत की विविध, जीवंत और निरंतर बदलती तस्वीर को सम्मान देने का राष्ट्रीय अवसर है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

30 की उम्र के बाद कॉर्डियो एक्सरसाइज से बेहतर होगी हार्ट की हेल्थ

30 की उम्र के बाद अनहेल्दी डाइट और लगातार बढ़ता स्ट्रेस कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ को प्रभावित कर सकता है। इसके अलावा, कम उम्र में हार्ट हेल्थ खराब होने के पीछे ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल, डायबिटीज, स्मोकिंग की आदत जैसे कारक भी मुख्य भूमिका निभाते हैं। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि आप कम उम्र से ही हार्ट के प्रति सजग हो जाए और समय रहते लाइफस्टाइल में बदलाव कर लें। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि एक्सरसाइज में कार्डियो से आप हार्ट हेल्थ को बेहतर बना सकते हैं।

क्लीवलैंड क्लीनिक के अनुसार कार्डियो यानी एरोबिक एक्सरसाइज में ऐसी एक्टिविटीज शामिल होती हैं जिनसे हार्ट रेट और ब्रीदिंग कुछ समय के लिए बढ़ती है। इसमें ब्रिस्क वॉकिंग, साइकिलिंग, जॉगिंग, स्विमिंग, डांसिंग और कुछ स्पोर्ट्स इसके उदाहरण हैं। जब आप कार्डियो करते हैं, तो हार्ट मसल्स शरीर के अलग-अलग हिस्सों तक ब्लड और ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए ज्यादा एक्टिव होकर काम करते हैं।

हार्वर्ड हेल्थ के अनुसार रेगुलर फिजिकल एक्टिविटी को हार्ट डिजीज और स्ट्रोक के कम रिस्क से जोड़ा गया है। हफ्ते में कम से कम 150 मिनट मॉडरेट फिजिकल एक्टिविटी करने से कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ को फायदा मिल सकता है और एक्टिविटी बढ़ाने पर एक्स्ट्रा फायदे मिल सकते हैं। हालांकि अगर किसी व्यक्ति को पहले से हाइपरटेंशन या हाई कोलेस्ट्रॉल है, तो केवल एक्सरसाइज को दवाओं का विकल्प नहीं चुनना चाहिए। डॉक्टर की सलाह के अनुसार दवा, डाइट, नींद और एक्सरसाइज सभी को साथ लेकर चल सकता है। अगर आप एक्सरसाइज के साथ डाइट में लगातार जरूरत से ज्यादा कैलोरी लेते हैं तो इससे वजन कम करना मुश्किल हो सकता है। बेहतर परिणाम के लिए रेगुलर फिजिकल एक्टिविटी के साथ बैलेंस्ड डाइट, पर्याप्त नींद संपूर्ण स्वास्थ्य पर ध्यान देना जरूरी है। WHO के अनुसार 18-64 वर्ष के वयस्कों को सप्ताह में 150-300 मिनट की मध्यम तीव्रता वाली एरोबिक गतिविधि, या 75-150 मिनट की जोरदार तीव्रता वाली एरोबिक गतिविधि, या दोनों का मिलाजुला कर करना चाहिए। इसके अलावा सप्ताह में कम से कम 2 दिन की मांसपेशियों को मजबूत करने वाली गतिविधियों की सलाह दी गई है।

निशाना

यहां तक ले आए...

मनोज 'निडर'

फ़ॉलो, शेयर, सेंड, यहाँ तक ले आए !
लाइक और कमेंट, यहाँ तक ले आए !
दोस्त, सखा, मनमीत सभी छोड़े पीछे
फ़ॉलोवर ये फ्रेंड, यहाँ तक ले आए !
किस डे, हग डे, रोज़-दिवस, बैलेंटाइन
प्रेम के एक्सपेरिमेंट, यहाँ तक ले आए !
तहज़ीबें सब बेच के अपनी, रद्दी में
रीलों के टैलेंट यहाँ तक ले आए !
ये गंडे-ताबीज़, टोटके बरकत के
बिज़नस वाले ट्रेंड, यहाँ तक ले आए !
चेहरे पर फ़िल्टर है, भीतर ख़ालीपन
मन का एडजस्टमेंट, यहाँ तक ले आए !
बातें और जज्बात उंगलियों के जिम्में
होंठों का दी-एंड, यहाँ तक ले आए !

टेक्नो - अपडेट

काम को आसान और तेज बनाने के लिए जोहो का नया एआई इंटरफेस 'जिया चैट' लॉन्च

ऑफिस के काम में अलग-अलग सॉफ्टवेयर और ऐप के बीच लगातार स्विच करना, जरूरी डेटा खोजना और कई मेन्यू में उलझना अब कम हो सकता है। भारत की प्रमुख टेक कंपनी जोहो ने काम को आसान और तेज बनाने के लिए नया एआई इंटरफेस 'जिया चैट' लॉन्च किया है। कंपनी के मुताबिक, यह ऐसा एआई इंटरफेस है, जो कर्मचारियों को एक ही जगह से जोहो के अलग-अलग बिजनेस डेटा से बातचीत करने और कई काम सीधे करने की सुविधा देगा। इसके साथ ही कंपनी ने सात अलग-अलग उद्योगों के लिए विशेष सॉफ्टवेयर लॉन्च कर 'वर्टिकल SaaS' के क्षेत्र में भी कदम बढ़ाया है।

जिया चैट को चैट बॉक्स की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें कर्मचारी लिखकर या बोलकर निर्देश दे सकते हैं। मसलन, ग्राहक की पेमेंट हिस्ट्री की संक्षिप्त जानकारी तैयार करने, प्रेजेंटेशन बनाने या फॉलो-अप ईमेल भेजने जैसे काम एक ही इंटरफेस से किए जा सकेंगे। कंपनी का दावा है कि जिया चैट सेल्स, मार्केटिंग, एचआर, कस्टमर सपोर्ट और फाइनेंस जैसे विभागों के डेटा को एक साथ जोड़ने में सक्षम है।

जोहो के संस्थापक श्रीधर वेम्बु ने जिया चैट को कंपनी की एआई क्रांति में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। उनका कहना है कि कर्मचारियों का काफी समय अलग-अलग ऐप और ड्रॉपडाउन मेन्यू के बीच काम करने में चला जाता है। जिया चैट का उद्देश्य इस बिखरे हुए सिस्टम को हटाकर पूरे कारोबार के लिए एक यूनिफाइड एआई इंटरफेस उपलब्ध कराना है। कंपनी के अनुसार, इसमें सुरक्षा की कई परतें हैं और जिया चैट केवल उन्हीं फाइलों या डेटा तक पहुंच सकता है, जिनकी अनुमति संबंधित कर्मचारी के पास पहले से है। जोहो का कहना है कि ग्राहकों के डेटा का इस्तेमाल उसके एआई मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए नहीं किया जाता।

इसके साथ जोहो ने सात उद्योगों के लिए विशेष ऐप भी पेश किए हैं। रिटेल कारोबार के लिए Zoho RetailIQ (CRMiQ) ग्राहकों की पसंद समझने, बिलिंग सिस्टम से जुड़ने और वॉट्सऐप या एसएमएस के जरिए ऑफर भेजने में मदद करेगा। ऑटोमोबाइल क्षेत्र के लिए Zoho AutoDMS डीलर्स को बिक्री, स्पेयर पार्ट्स, सर्विस और वारंटी से जुड़ी जानकारी एक जगह रखने की सुविधा देगा।

शिक्षा क्षेत्र के लिए Zoho Campus एडमिशन, फीस कलेक्शन, अटेंडेंस, टाइमटेबल और असाइनमेंट को एक डैशबोर्ड पर लाएगा।

अजब -गजब

उल्टा घर, हवा में साइकिल और 50 तरह के पकवान वाला अनोखा फार्म हाउस

कुछ अलग करने का जज्बा हो तो मंजिल अपने आप मिल जाती है। हरियाणा के एक युवक ने कुछ इसी तरह का जज्बा दिखाते हुए एक ऐसा अनोखा फार्म हाउस तैयार किया है, जहां घर से लेकर सोफे और कार तक सब कुछ उल्टा नजर आता है। यहां हवा में साइकिल चलाने का रोमांच भी लिया जा सकता है। इतना ही नहीं, फार्म हाउस में डीजे कार्यक्रम के साथ 50 तरह के व्यंजनों का इंतजाम भी किया गया है। फार्म हाउस के कोने-कोने में हरियाणा, पंजाब और राजस्थान की संस्कृति की अनूठी झलक दिखाई देती है।

हरियाणा के रोहतक जिले के शेरगढ़ में ललित सोरखी ने नेशनल हाईवे-9 पर मदीना टोल टैक्स के पास रिजॉर्टनुमा फार्म हाउस तैयार किया है। यह गुरुग्राम-हिसार रोड पर मोखरा गांव के पास स्थित है। फार्म हाउस में हरियाणवी, पंजाबी और राजस्थानी संस्कृति का अनूठा मेल देखने को मिलता है। यहां बना उल्टा घर लोगों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है। घर के अंदर सोफे और कार सहित कई चीजें उल्टी लटकी हुई हैं। इसके अलावा वायर के सहारे हवा में साइकिल चलाने का अनुभव भी लिया जा सकता है। यहां 100 से अधिक तरह की गतिविधियां मौजूद हैं। हरियाणवी, पंजाबी और राजस्थानी संस्कृति को फिर से जीवंत करने के उद्देश्य से तैयार किए गए इस फार्म हाउस में हर आयु वर्ग के लोगों के लिए कुछ न कुछ खास है। यहां पहुंचने वाले मेहमानों का स्वागत ढोल-नगाड़ों के साथ किया जाता है। परिसर में गोमाता, तांगा, बैलगाड़ी, बग्घी और ऊंट की सवारी के साथ राजस्थानी संस्कृति की झलक दिखाने वाले मकान और चित्रकारी भी मौजूद हैं। हरियाणा और राजस्थान में पुराने समय में इस्तेमाल होने वाली कई वस्तुओं को भी यहां सहेजकर रखा गया है।

फार्म हाउस के मालिक ललित सोरखी के अनुसार, बच्चों के लिए चार जिप लाइन तैयार की गई हैं और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया है। इसके अलावा लोकनृत्य, बैलगाड़ी और ऊंट की सवारी, गेमिंग जोन तथा अन्य मनोरंजन की गतिविधियां भी यहां उपलब्ध हैं। बच्चों के आकर्षण के लिए भूत बंगला भी बनाया गया है। उल्टा घर और हवा में साइकिल चलाने जैसी गतिविधियां लोगों को खास तौर पर आकर्षित करती हैं।

बाबा के दरबार में पुण्य का महोत्सव ज्ञानोदय पाठशाला को 1 लाख का दान

मस्तकाभिषेक, शांतिधारा व शांतिविधान के साथ मनाया उत्तम त्याग धर्म दिवस

तेंदूखेड़ा। नगर के श्री शांतिनाथ भगवान मंदिर में बुधवार को उत्तम त्याग धर्म दिवस श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। बड़े बाबा का विधि-विधान से मस्तकाभिषेक, शांतिधारा व शांतिविधान हुआ। मंदिर परिसर में सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ रही। आयोजन में प्राप्त करीब एक लाख रुपए की दान राशि श्री ज्ञानोदय पाठशाला को बच्चों की धार्मिक शिक्षा एवं संस्कारों के लिए समर्पित की गई। शांतिधारा के महापात्र सहित सौधर्म इंद्र और ईशान इंद्र बनने का सौभाग्य विभिन्न जैन परिवारों को मिला। रात 8 बजे 'कौन बनेगा ज्ञानवीर' प्रतियोगिता हुई, जिसमें ज्ञान व तर्क आधारित प्रश्न पूछे गए। विजेता को 21 हजार रुपए पुरस्कार मिलेगा।

शांतिधारा में उमड़ा श्रद्धालुओं का उत्साह, धर्मसभा में दान-परोपकार को बताया धन की सार्थकता

त्याग का संदेश लेकर गूंजा झलौन का जैन मंदिर, भक्तिभाव से मनाया उत्तम त्याग धर्म

तेंदूखेड़ा। झलौन स्थित श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में दशलक्षण महापर्व के तहत उत्तम त्याग धर्म दिवस श्रद्धा और भक्तिभाव से मनाया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान की पूजा-अर्चना कर त्याग धर्म को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। धर्मसभा में बताया गया कि त्याग केवल वस्तुओं का परित्याग नहीं, बल्कि धन-संपत्ति की आसक्ति छोड़कर उसका सदुपयोग करना भी है। आय का कुछ हिस्सा धर्म, दान, जीवदया, जरूरतमंदों की सहायता और समाजसेवा में लगाना चाहिए। मंदिर में शांतिधारा का आयोजन हुआ, जिसमें ब्रह्मचारी अमन भैया सहित कई परिवारों ने पुण्यलाभ अर्जित किया। आयोजन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय बना रहा।

न्यूज विंडो

विदिशा में फूड सेफ्टी विभाग का छापा श्याम डेरी से 750 किलो माल जब्त

विदिशा। खाद्य सुरक्षा प्रशासन और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने बुधवार को ईदगाह रोड स्थित श्याम डेयरी इंडस्ट्री पर छापा मारा। करीब डेढ़ घंटे चली कार्रवाई में टीम को घी और घी जैसे उत्पादों के साथ बड़ी मात्रा में मल्टीपर्पस वेजिटेबल फैट मिला। टीम ने करीब 750 किलो घी और वेजिटेबल फैट, जिसकी कीमत करीब 4.50 लाख रुपए बताई गई है, सील कर दिया। मौके से छह खाद्य नमूने भी जांच के लिए लिए गए हैं। डेयरी से कारोबार को आगामी आदेश तक रोक दिया है। इस छापामार कार्रवाई में भोपाल के अधिकारी भी शामिल थे। खाद्य सुरक्षा टीम के अनुसार, ईदगाह रोड पर आरटीओ ऑफिस के सामने मुखर्जी नगर स्थित श्याम डेयरी इंडस्ट्री में निरीक्षण के दौरान मानव उपयोग के लिए मल्टीपर्पस वेजिटेबल फैट का उपयोग कर घी और घी सदृश खाद्य पदार्थ बनाए जाने की जानकारी मिली। मौके पर गाय घी, अरिहंत ब्रांड का घी, कामधेनु और देहाती घी सहित अलग-अलग पैकिंग में उत्पाद मिले। इसके अलावा कामधेनु गोल्ड देसी भोग मल्टीपर्पस वेजिटेबल फैट के 450 एमएल के 132 और 200 एमएल के 76 पैक भी मिले।

तारादेही ग्राम की सत्ती माता मंदिर परिसर भक्ति के जयकारों से गूंज रहे मंदिर

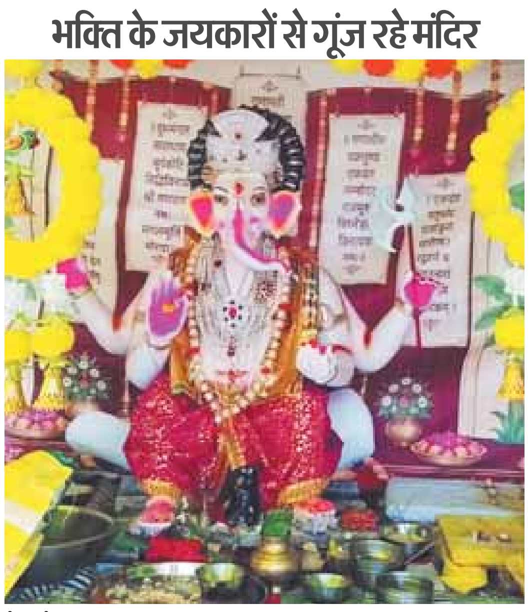

तेंदूखेड़ा। तारादेही ग्राम में स्थित प्रसिद्ध गांव की सत्ती माता का मंदिर परिसर में प्रातः कालीन आरती के साथ गणेश पर्व का भव्य और भक्तिमय वातावरण रहा, श्रद्धालु बड़ी संख्या में भगवान श्री गणेश का पूजन करने मंदिर पहुंचे। गणेश उत्सव के दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण रहा, भजन-कीर्तन कर मोदक का भोग लगाया गया। आरती के समय गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से पूरा मौहाल भक्तिमय हो गया। दस दिवसीय गणेश उत्सव की चाहुओर धूम मची है। तारादेही ग्राम में एक से बढ़कर एक विध्न, विनाशक मंगलमूर्ति भगवान गणेश की छोटी-बड़ी प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं।

सहकारी बैंक की सभा में हंगामा, 11 लाख जमा नहीं कराने पर 3 अधिकारी हिरासत में

शिवपुरी। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शिवपुरी की 107वीं वार्षिक साधारण सभा में कलेक्टर अर्पित वर्मा के सामने उस समय हंगामा हो गया, जब सदस्यों अरविंद तोमर, आशुतोष शर्मा, बृजमोहन शर्मा और रामस्वरूप रिझारी ने जिले भर में वसूली का पैसा बैंक में जमा नहीं करने का मुद्दा उठाया। आरोप लगाया कि छर्च के सहायक समिति प्रबंधक सत्यवीर यादव ने किसानों से खाद के नाम पर वसूली गई करीब 11 लाख रुपये की राशि बैंक में जमा ही नहीं की। कलेक्टर वर्मा ने इसे गंभीरता से लेते हुए भरी सभा में छर्च तीनों अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। साथ ही पुलिस बुलाकर सहायक समिति प्रबंधक सत्यवीर यादव, सोसायटी प्रबंधक नीतेश शर्मा और पोहरी शाखा प्रबंधक नत्थीलाल शर्मा को हिरासत में लेकर थाने भिजवाने के निर्देश दिए। उन्होंने बकाया राशि तत्काल जमा करने का अल्टीमेटम दिया। थाना प्रभारी रोहित दुबे ने बताया कि तीनों को हिरासत में लिया है। छर्च थाने में मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है।

आबकारी विभाग ने मेहरागांव के सूने मकान में की कार्रवाई, 272 लीटर शराब मिली

खंडहर से 2.54 लाख की शराब जब्त दो दिन बाद भी 'मालिक' का पता नहीं

नर्मदापुरम/इटारसी। दोपहर मेट्रो

मेहरागांव के वार्ड-5 में आबकारी विभाग ने सूने और खंडहरनुमा मकान का ताला तोड़कर 32 पेटी अवैध शराब बरामद की, लेकिन कार्रवाई के दो दिन बाद भी शराब के मालिक और मकान के स्वामी की जानकारी सामने नहीं आ सकी है। जब्त शराब की मात्रा 272.43 बल्क लीटर है, जिसकी अनुमानित कीमत 2 लाख 54 हजार 754 रुपए बताई गई है। मामले में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क) और 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के अनुसार, मकान के स्वामित्व की जानकारी के लिए ग्राम पंचायत को पत्र भेजा गया है। इसके बाद जांच में यह पता लगाया जाएगा कि शराब मकान मालिक की थी या किसी अन्य व्यक्ति ने वहां रखी थी। फिलहाल शराब जब्त है और विभाग आरोपी तक पहुंचने के लिए मकान की जानकारी जुटा रहा है। कार्रवाई के बाद अब जांच की गति पर नजर है।

6 माह बाद भी चोरी की शराब का सुराग नहीं

आबकारी वृत्त कार्यालय से जब्त शराब चोरी हुए करीब छह महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक उसका सुराग नहीं मिला है। विभाग ने मामले में एफआईआर दर्ज कराई थी, पर चोरी गया माल बरामद नहीं हो सका। जब्त शराब की कीमत करीब 55 हजार रुपए थी, जिसमें बीयर, व्हिस्की और देशी शराब शामिल थी। सवाल यह है कि आबकारी विभाग के रिकॉर्ड में दर्ज मुद्देमाल की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी थी और चोरी के बाद उसकी तलाश किस स्तर पर की गई? केवल रिपोर्ट दर्ज कराने से मामला खत्म नहीं होता। छह महीने बाद भी शराब का पता नहीं चलना विभाग की निगरानी और बरामदगी की कार्रवाई को लेकर सवाल खड़े करता है।

पहले मकान मालिक, फिर खुलेगा राज

मेहरागांव में शराब बरामद होने के बाद जांच फिलहाल मकान के स्वामित्व की जानकारी पर टिकी है। आबकारी विभाग ने पंचायत को पत्र भेजकर मकान मालिक का नाम और संबंधित जानकारी मांगी है। इसके बाद विभाग यह जांच करेगा कि खंडहर में मिली शराब मकान मालिक की थी या किसी दूसरे व्यक्ति ने वहां छिपाकर रखी थी। 32 पेटियों में मिली 272.43 बल्क लीटर शराब की कीमत 2.54 लाख रुपए से अधिक है। इतनी बड़ी मात्रा में शराब का सूने मकान में मिलना जांच का अहम बिंदु है। फिलहाल आरोपी अज्ञात है और पंचायत से मिलने वाली जानकारी के बाद ही जांच आगे बढ़ने की उम्मीद है।

दंगल में उमड़ा जनसैलाब, तेंदूखेड़ा पुलिस ने मुस्तैदी से संभाला मोर्चा

मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने थाना प्रभारी को किया सम्मानित

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

ग्राम बम्होरी पांजी में मंगलवार को आयोजित भव्य दंगल प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में ग्रामीण और आसपास के क्षेत्रों से दर्शक पहुंचे। भारी भीड़ के बीच कानून-व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखना पुलिस के लिए चुनौतीपूर्ण रहा। थाना तेंदूखेड़ा पुलिस ने मुस्तैदी और सूझबूझ के साथ सुरक्षा व्यवस्था संभाली। पुलिस बल ने भीड़ को व्यवस्थित रखने के साथ कार्यक्रम स्थल पर लगातार निगरानी बनाए रखी। पुलिस की सक्रियता और बेहतर प्रबंधन के चलते दंगल प्रतियोगिता शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुई।

पुलिस की कार्यप्रणाली और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी ने थाना प्रभारी सरोज सिंह ठाकुर और उनकी टीम को सम्मानित किया। मंत्री ने मंच से थाना प्रभारी को पुरस्कृत करते हुए पुलिसकर्मियों की मेहनत और जिम्मेदारी की प्रशंसा की।

आरटीओ ने सुरक्षित यातायात की दिलाई शपथ छात्राओं को मिले लाइसेंस, बसों की भी हुई जांच

बस स्टैंड पर जांच में नियम उल्लंघन पर 10 हजार की चालानी कार्रवाई

नर्मदापुरम/सिवनी मालवा। दोपहर मेट्रो

सेवा संकल्प अभियान के तहत परिवहन विभाग ने बुधवार को यातायात सुरक्षा और जागरूकता को लेकर विभिन्न गतिविधियां आयोजित कीं। आरटीओ प्रमोद कापसे ने कुसुम महाविद्यालय में छात्राओं के लिए निःशुल्क लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस शिविर लगाया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं से सुरक्षित परिवहन, यातायात नियमों और सड़क संकेतों को लेकर संवाद किया। उन्होंने वाहन चलाते समय सावधानी बरतने, हेलमेट पहनने और नियमों का पालन करने की अपील की। छात्राओं को सुरक्षित यातायात की शपथ भी दिलाई गई।

शिविर में करीब 65 छात्राओं को निःशुल्क लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस वितरित किए गए। लाइसेंस मिलने के बाद छात्राओं में उत्साह नजर आया। आरटीओ ने कहा कि वाहन चलाना स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी है, इसलिए सड़क पर अपनी सुरक्षा के साथ दूसरे लोगों की सुरक्षा का ध्यान रखना जरूरी है।

महाविद्यालय में कार्यक्रम के बाद आरटीओ प्रमोद कापसे ने संभागीय परिवहन सुरक्षा स्क्वाड प्रभारी शिवानी मुकाती के साथ बस स्टैंड का औचक निरीक्षण किया। टीम ने बसों में अग्निशामक यंत्र, मेडिकल बॉक्स, वैध दस्तावेज और आपातकालीन गेट की व्यवस्था की जांच की। बस चालकों को सुरक्षित परिवहन के साथ यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने चालकों को मदिरापान किए बिना वाहन चलाने और यातायात नियमों का पालन करने की हिदायत दी। निरीक्षण के दौरान कुछ बसों में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 10 हजार रुपए की चालानी कार्रवाई की गई। आरटीओ ने बस संचालकों को भविष्य में नियमों का पालन सुनिश्चित करने और यात्रियों की सुरक्षा में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए।

मेट्रो एंकर सांदीपनी विद्यालय में साइबर अपराध, बाल एवं महिला सुरक्षा पर संवाद, अनजान लिंक और ओटीपी से बचने की दी सलाह

'उमंग दिवस' पर पुलिस ने विद्यार्थियों को बताया सुरक्षा का पाठ

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाए जा रहे उमंग दिवस के तहत मंगलवार को शासकीय सांदीपनी विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। थाना प्रभारी सरोज सिंह ठाकुर पुलिस स्टाफ के साथ विद्यालय पहुंचीं और छात्र-छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी देश का भविष्य हैं, इसलिए शिक्षा के साथ अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहना जरूरी है। किसी परेशानी की स्थिति में घबराने के बजाय माता-पिता, शिक्षक या पुलिस

को जानकारी देने की सलाह दी गई।

पुलिस टीम ने विद्यार्थियों को बाल सुरक्षा, महिला सुरक्षा, साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग की जानकारी दी। विद्यार्थियों को अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने, व्यक्तिगत जानकारी और ओटीपी साझा नहीं करने तथा संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना देने के लिए जागरूक किया गया। छात्राओं को असुरक्षित स्थिति में तत्काल सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पुलिस अधिकारियों से सवाल पूछे, जिनके सरल भाषा में जवाब दिए गए। विद्यालय प्रबंधन ने कार्यक्रम को उपयोगी बताया।

मोबाइल चलाएं, लेकिन सावधानी के साथ

उमंग दिवस के कार्यक्रम में पुलिस टीम ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचने के महत्वपूर्ण तरीके बताए। अधिकारियों ने कहा कि अनजान व्यक्ति के भेजे लिंक को खोलने से बचें और किसी भी स्थिति में ओटीपी, पासवर्ड या व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से सावधानी बरतें और संदिग्ध गतिविधि सामने आने पर तत्काल परिजनों, शिक्षक या पुलिस को सूचना दें। छात्राओं को असुरक्षित महसूस होने पर तुरंत सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस ने विद्यार्थियों से स्वयं जागरूक रहने के साथ परिवार और आसपास के लोगों को भी साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने की अपील की।

खेत से निकलकर सड़क पर आया मगरमच्छ रेस्क्यू कर सिंगौरगढ़ जलाशय में छोड़ा गया

दमोह। दोपहर मेट्रो

वन मंडल की नोहटा बीट अंतर्गत पिपरिया नंदलाल और हिनौती खेत सिंह गांव के बीच दोपहर करीब पांच फीट लंबा मगरमच्छ सड़क पर दिखाई देने से हड़कंप मच गया। मगरमच्छ को देखकर ग्रामीणों में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। खेत मालिक अज्जू खान ने इसकी सूचना वन विभाग और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही नोहटा से वन विभाग की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। टीम ने मगरमच्छ को पकड़ने का प्रयास शुरू किया। इसी दौरान मगरमच्छ रस्सियों की पकड़ से छूटकर भाग गया। उसे दोबारा पकड़ने की कोशिश में ग्रामीण अज्जू खान और फॉरेस्ट चौकीदार अट्ठी सिंह की उंगलियों में चोट लग गई। दोनों को स्वास्थ्य केंद्र ले जाकर उपचार कराया गया। इसके बाद भी रेस्क्यू अभियान जारी रहा। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद वनकर्मियों ने मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़ लिया और रस्सियों से बांधकर वन विभाग के वाहन में रखा। बाद में उसे रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व के सिंगौरगढ़ जलाशय में छोड़ दिया गया।

देवरा चौक पर देर रात वारदात, 16 वर्षीय साथी भी घायल

डोल ग्यारस के जुलूस में खूनी खेल चाकू के हमले से युवक की हुई मौत

धार/मनावर। दोपहर मेट्रो

ग्राम देवरा में ढोल ग्यारस के जुलूस के दौरान देर रात हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। धारदार हथियार से किए गए हमले में 18 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसका 16 वर्षीय साथी घायल हो गया। घटना के बाद मनावर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार ग्राम अवल्दामान निवासी प्रभांश उर्फ बिट्टू (16) अपने दोस्त विकास पिता विजय किराड़े (18), सावन पिता शंकर धार्वे (16) और कान्हा पिता मोहन चौहान के साथ 22 सितंबर की रात करीब 9 बजे देवरा में डोल ग्यारस का कार्यक्रम देखने पहुंचा था। रात करीब 1.30 बजे देवरा चौक पर कुछ युवक डीजे पर नाच रहे थे। इसी दौरान पीली टी-शर्ट पहने युवक का कुछ लोगों से विवाद हो गया।

बताया गया कि विवाद के बाद पीली टी-शर्ट वाला युवक अपने साथियों के साथ उस दिशा में भागा, जहां विकास खड़ा था। इसी दौरान विकास अचानक जमीन पर गिर गया। उसके पेट से खून निकल रहा था। साथियों ने देखा तो धारदार हथियार से हमला किए जाने के निशान थे। सावन की पीठ पर भी चोट मिली।

दोनों को साथी अर्जुन और अशोक की मोटरसाइकिल से सिविल अस्पताल मनावर ले जाया गया। डॉक्टर ने विकास को मृत घोषित कर दिया, जबकि सावन को प्राथमिक उपचार के बाद रेफर किया गया। पुलिस आरोपी की पहचान और विवाद की वजह तलाश रही है।

नाचने के दौरान हुआ विवाद

पुलिस के अनुसार देवरा चौक पर रात करीब 1.30 बजे ढोल ग्यारस के कार्यक्रम के दौरान कुछ युवक डीजे पर नाच रहे थे। इसी दौरान पीली टी-शर्ट पहने युवक का कुछ युवकों से विवाद हो गया। विवाद के बाद वह अपने साथियों के साथ उस दिशा में भागा, जहां विकास खड़ा था। इसी दौरान विकास जमीन पर गिर पड़ा। उसके पेट से खून निकलता देख साथियों ने उसे संभाला। जांच में उसके शरीर पर धारदार हथियार से हमला किए जाने के निशान मिले।

बाइक से अस्पताल पहुंचाया, एक की मौत

हमले के बाद घायल विकास और सावन को उनके साथियों ने अर्जुन और अशोक की मोटरसाइकिल से सिविल अस्पताल मनावर पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टर ने विकास को मृत घोषित कर दिया। वहीं सावन की पीठ पर भी धारदार हथियार से चोट के निशान मिले थे। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत को देखते हुए उसे आगे के उपचार के लिए रेफर किया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर जानकारी जुटाई। फरियादी की रिपोर्ट पर मनावर थाने में अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस घटनास्थल, विवाद, आरोपियों की पहचान से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है।

पुलिस फिलहाल विवाद की वास्तविक वजह और हमले में शामिल लोगों की पहचान के लिए घटनाक्रम से जुड़े लोगों से जानकारी जुटा रही है।

परिवार को बदनाम करने की धमकी का आरोप

पीछा, अश्लील कमेंट और धमकियों से परेशान छात्रा ने छत से लगाई छलांग

पुलिस ने पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में दर्ज किया केस

धार/पीथमपुर। दोपहर मेट्रो

युवक द्वारा कथित रूप से पीछा करने, अश्लील कमेंट करने और विरोध करने पर धमकी देने से परेशान छात्रा ने 20 सितंबर को घर की छत से छलांग लगाकर आत्महत्या की कोशिश की। परिजन उसे उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। मामले में सेक्टर-1 पुलिस ने आरोपी रोहित पटेल के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार छात्रा ने शिकायत में बताया कि आरोपी उसके घर के पास विष्णु पटेल के मकान में किराए से रहता था और वह उसे पहले से जानती थी। आरोप है कि कुछ दिनों से रोहित स्कूल आने-जाने के दौरान छात्रा का पीछा करता और अश्लील कमेंट करता था। छात्रा ने कई बार उसे ऐसा करने से मना किया, लेकिन वह नहीं माना। शिकायत के मुताबिक छात्रा ने आरोपी की हरकतों की जानकारी माता-पिता को देने की बात कही तो उसने कथित तौर पर छात्रा और उसके परिवार को बदनाम करने तथा जान से मारने की धमकी दी। डर के कारण छात्रा ने यह बात परिजनों को नहीं बताई। लगातार परेशान किए जाने के बाद उसने छत से छलांग लगा दी। घटना के बाद परिजन उसे पीथमपुर के हेल्थ केयर अस्पताल ले गए, जहां से महू के मेवाड़ा अस्पताल में उपचार कराया गया। पुलिस ने बीएनएस की धारा 75(2), 78(2), 79, 351(2) और पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद सेक्टर-1 पुलिस ने छात्रा की शिकायत दर्ज की। पुलिस ने आरोपी रोहित पटेल के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के साथ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस द्वारा मामले में आरोपी की भूमिका और शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है।

स्कूल आते-जाते पीछा करने का आरोप

पुलिस को दी शिकायत के अनुसार छात्रा का आरोप है कि आरोपी युवक कुछ दिनों से स्कूल आने-जाने के दौरान उसका पीछा करता था। रास्ते में अश्लील कमेंट करने के साथ वह छात्रा को परेशान करता था। छात्रा ने कई बार आरोपी को उसकी हरकतों से बाज आने के लिए कहा, लेकिन वह नहीं माना। जब छात्रा ने उसकी शिकायत माता-पिता से करने की बात कही तो आरोपी ने कथित रूप से उसे और उसके परिवार को बदनाम करने की धमकी दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। मामले में पुलिस घटना से जुड़े तथ्यों और आरोपों की जांच कर रही है।

न्यूज विंडो

बिना पानी छिड़काव से उड़ रहा कोयले का गुबार, साइडिंग के आसपास लोग परेशान

शहडोल। गोविंदा, बिजुरी, अमलाई और बुढ़ार साइडिंग में कोयला लोडिंग के दौरान धूल नियंत्रण के लिए पानी का नियमित छिड़काव नहीं किए जाने का आरोप लगाया गया है। खुले में कोयला लोडिंग और परिवहन के दौरान उड़ने वाली धूल आसपास के क्षेत्रों में फैल रही है, जिससे क्षेत्रवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सुरेश के अनुसार बुढ़ार साइडिंग में धूल नियंत्रण के लिए पानी का छिड़काव, कोयले को ढककर परिवहन और प्रदूषण नियंत्रण की निर्धारित व्यवस्थाओं का प्रभावी पालन होना चाहिए। यदि इन व्यवस्थाओं में लापरवाही बरती जा रही है तो संबंधित विभाग को इसकी निगरानी कर कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए।

गोविंदा, बिजुरी, अमलाई और बुढ़ार साइडिंग में धूल नियंत्रण व्यवस्था पर सवाल

जबलपुर में गणेश पांडाल में अश्लील डांस का वीडियो वायरल, जांच की मांग

जबलपुर। जबलपुर में सोशल मीडिया पर गणेश पांडाल में कुछ युवकों द्वारा अश्लील डांस किए जाने का एक वीडियो वायरल हो रहा है। यह वीडियो शुभम बैरागी ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस कथित पोस्ट और वीडियो को लेकर हिंदू धर्म सेना ने पुलिस से जांच और कार्रवाई की मांग की है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष नीरज राजपूत ने जबलपुर पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन सौंपा है। जिसमें बताया गया कि शुभम बैरागी नामक व्यक्ति की सोशल मीडिया आईडी से संबंधित यह वीडियो शेयर करने की जानकारी सामने आई है। मामला गौर चौकी के पास गणेश प्रतिमा पंडाल में कथित अश्लील डांस का वीडियो वायरल होने का है। पंडाल में फिल्मी गानों पर आपत्तिजनक डांस और कथित अश्लील गानों के वीडियो ने हिंदू संगठनों में आक्रोश पैदा कर दिया। संगठन ने पुलिस से सोशल मीडिया पोस्ट और वीडियो की सत्यता, संदर्भ तथा डिजिटल साक्ष्यों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि जांच में यदि धार्मिक भावनाओं को आहत करने या किसी कानून के उल्लंघन की पुष्टि होती है तो संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाए।

इंदौर के मल्हारगंज, सियागंज से 10,500 लीटर तेल जब्त

इंदौर। दोपहर मेट्रो

खाद्य तेलों में मिलावट की रोकथाम और गुणवत्ता जांच के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने विशेष अभियान शुरू किया है। इसके तहत दूसरे राज्यों और मध्य प्रदेश के अन्य जिलों से इंदौर आने वाले खाद्य तेलों की जांच की जा रही है।

मल्हारगंज स्थित एक गोदाम से करीब 10,500 लीटर खाद्य तेल जब्त किया गया। इसकी अनुमानित कीमत 21 लाख रुपये बताई गई है। कार्रवाई के दौरान प्रतिष्ठान पर आवश्यक खाद्य लाइसेंस भी उपलब्ध नहीं मिला। खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने मल्हारगंज स्थित श्याम एंड श्याम आयल्स प्राइवेट लिमिटेड के गोदाम का निरीक्षण किया। यहां सोना सिक्का ब्रांड मूंगफली तेल और कच्ची घानी सरसों तेल के विभिन्न पैकिंग साइज के कुल नौ नमूने जांच के लिए लिए गए। करीब 10,500 लीटर खाद्य तेल जब्त किया गया। नमूनों को गुणवत्ता परीक्षण के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा जाएगा। इसी कड़ी में सियागंज स्थित शंकर महादेव ट्रेडर्स का निरीक्षण किया गया। यहां से प्रीमियम रिफाइंड ग्राउंडनट आयल और गुलाब कोल्ड प्रेस्ड ग्राउंडनट आयल के दो नमूने जांच के लिए लिए गए हैं। इन नमूनों को भी परीक्षण के लिए भोपाल भेजा जाएगा। अधिकारियों के अनुसार दोनों प्रतिष्ठानों से खाद्य तेल के कुल 11 नमूने लिए गए हैं। प्रयोगशाला की रिपोर्ट मिलने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ड्यूटी एसईसीएल में, तस्वीरें भोपाल-दिल्ली की, कर्मचारियों की हाजिरी पर उठे सवाल

कोतमा। एसईसीएल कर्मचारियों की सोशल मीडिया पर सामने आ रही तस्वीरों में कुछ कर्मचारी भोपाल और दिल्ली में भाजपा नेताओं एवं पदाधिकारियों के साथ नजर आ रहे हैं। इसे लेकर उनकी ड्यूटी और उपस्थिति व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। सवाल यह है कि यदि कोई कर्मचारी निर्धारित शिफ्ट में एसईसीएल में ड्यूटी पर दर्ज है और उसी दिन भोपाल या दिल्ली में राजनीतिक कार्यक्रमों में मौजूद दिखाई देता है, तो उसकी अनुपस्थिति या यात्रा को किस आधार पर स्वीकृति मिली। क्या संबंधित कर्मचारियों को अधिकृत दौरे, यूनियन कार्य या अन्य विभागीय अनुमति प्राप्त थी? इन बिंदुओं पर स्पष्टता के लिए संबंधित विभाग की उपस्थिति और अनुमति व्यवस्था की जांच जरूरी बताई जा रही है।

ग्वालियर : 17 बांग्लादेशियों के फर्जी पासपोर्ट मामले में भिक्षु गिरफ्तार

ग्वालियर। बांग्लादेशी नागरिकों के जाली दस्तावेजों के जरिए भारतीय पासपोर्ट बनवाने में मदद के आरोप में 70 वर्षीय बौद्ध भिक्षु गया प्रसाद गौतम उर्फ ज्ञान ज्योति को गिरफ्तार किया गया है। एसपी, एसटीएफ राजेश सिंह भदौरिया के अनुसार, गौतम ने 17 बांग्लादेशी नागरिकों के पासपोर्ट बनवाने में मुख्य गवाह की भूमिका निभाई थी। जांच के दौरान उसका नाम सामने आया। चीनोर के पुरा बनवार निवासी गौतम ने 2019 में बौद्ध धर्म अपनाया था।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना बागसेवनिया जिला भोपाल

क्र./कार्या./बाग./705/26 दिनांक 18/09/2026

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि थाना बागेसवनिया भोपाल के अपराध क्र 705/26 धारा 140(3) बी.एन.एस.एस की अपृहता रिषिका मन्ना पिता कल्लोल कुमार मन्ना उम्र 19 साल निवासी - 124/20 महेन्द्र भट्टाचार्य रोड दुमुर्जला जगाछा संतरागाछी हावड़ा पश्चिम बंगाल जिसका हुलिया रंग गेहुआ, बदन दुबली पतली, कद 5 फिट 1 इंच है जो सफेद रंग की टीशर्ट लाईट ब्लू कलर की जीन्स पहने है पैरो मे काले जूते पहने है। दांहिने हाथ के कंधे पर कई टैटू बने हैं व चौकोर फ्रेम का चश्मा लगाती है।

अतः उक्त अपृता रिषिका मन्ना के संबंध मे कोई जानकारी मिलती है तो थाना प्रभारी बागसेवनिया के मोबाइल क्र 9479990533 एवं विवेचक के मोबाइल क्र 7000607412 व थाना बागसेवनिया भोपाल के मोबाइल क्र 9479990539 पर तत्काल संपर्क करें।

जी-18949/26

थाना प्रभारी थाना बागसेवनिया भोपाल

मोगली उत्सव में बच्चों ने परखी प्रकृति की समझ, 58 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

कनिष्ठ वर्ग में उदय प्रताप और वरिष्ठ में अंजली साहू प्रथम अब जिला स्तरीय प्रतियोगिता में दिखाएंगे प्रतिभा

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

बच्चों को प्रकृति से जोड़ने और जल, जंगल, जमीन सहित पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से विकासखंड स्तरीय मोगली बाल उत्सव प्रतियोगिता 2026-27 का आयोजन शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा के मार्गदर्शन में आयोजित प्रतियोगिता में विद्यालय स्तर पर चयनित विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

प्रतियोगिता के कनिष्ठ वर्ग में 37 और वरिष्ठ वर्ग में 21 विद्यार्थियों ने लिखित परीक्षा में भाग लिया। परिणाम में कनिष्ठ वर्ग में शासकीय एकीकृत नवीन शाला लौकीपार के उदय प्रताप सिंह चौधरी प्रथम और शासकीय माध्यमिक शाला सगौनी की दुर्गाबाई लोधी द्वितीय रहीं। वरिष्ठ वर्ग में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय की अंजली साहू प्रथम और इसी विद्यालय के कृष्णा सोनी द्वितीय रहे।

प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को अधिकारियों एवं विद्यालय प्रबंधन ने पुरस्कृत कर जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए प्रोत्साहित किया। चयनित विद्यार्थी 1 अक्टूबर को शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में होने वाली जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होंगे। जिला स्तर पर चयनित एक छात्र और एक छात्रा मार्गदर्शक शिक्षकों के साथ पेंच राष्ट्रीय उद्यान में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना तलैया नगरीय पुलिस भोपाल

क्रमांक/था.प्र./तलैया/भो/मर्ग क्रमांक 19/2026 ~~~~ दिनांक-22/09/2026

जाहिर सूचना

सर्व साधाराण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख कर निवेदन है कि थाना तलैया पर दिनांक 22.06.2026 को सूचक धर्मेन्द्र चौहान पिता लाड सिंह चौहान उम्र 35 वर्ष नि. म.न. 53 जैन कालोनी हाउसिंग बोर्ड करौंद थाना निशातपुरा भोपाल कि सूचना पर थाना तलैया भोपाल में मर्ग क्र 19/2026 धारा 194 बीएनएसएस का पंजीबध्द कर जांच में लिया गया। मृतक अज्ञात पुरुष उम्र करीबन 35 से 40 साल के परिजनो की तलाश हेतु हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं।

मृतक का हुलिया चेहरा लम्बा, रंग सांवला, कद करीबन 5 फिट 9 इंच जो ग्रे कलर की शर्ट तथा नीले रंग का आधा कटा जींस का पैंट पहने हुए है जिसके परिजनो की तलाश पतारसी के हरसंभव प्रयास किये गये जो कोई जानकारी नही मिली जिस व्यक्ति को जानकारी हो थाना तलैया भोपाल उपस्थित आकर जानकारी देवे अथवा दुरभाष क्रमांक 9479990553 एवं जांचकर्ता प्रआर 2676 संतोष सिंह के मो.न. 9424412933 पर तत्काल संपर्क करे।

जी-18979/26

थाना प्रभारी थाना तलैया भोपाल

गंभीर का बड़ा प्लान,
गिल को रोहित-विराट का साथ तो हार्दिक और बुमराह पर खास नजर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने 2027 वनडे विश्व कप की तैयारियों को लेकर टीम की रणनीति पर खुलकर बात की है। गंभीर ने युवा कप्तान शुभमन गिल की कप्तानी और टीम में मौजूद अनुभवी खिलाड़ियों को लेकर अपनी राय रखी। उनका मानना है कि वनडे में गिल के लिए यह बड़ी बात है कि उन्हें रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों का मार्गदर्शन मिल रहा है। वहीं, विश्व कप की तैयारियों में हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह की भूमिका को भी गंभीर ने बेहद अहम बताया है।

गिल के लिए रोहित-विराट बड़ी ताकत

टेस्ट और टी20 क्रिकेट से रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद शुभमन गिल ने इन दोनों दिग्गजों के बिना कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली। हालांकि, वनडे क्रिकेट में तस्वीर अलग है। गंभीर के मुताबिक, गिल के पास मैदान के अंदर और बाहर दो ऐसे अनुभवी खिलाड़ी मौजूद हैं, जिनसे उन्हें लगातार सीखने का मौका मिल सकता है। जियोहॉटस्टार से बातचीत में गंभीर ने कहा कि वनडे क्रिकेट में गिल भाग्यशाली हैं कि रोहित और विराट जैसे खिलाड़ी उनके साथ हैं। दोनों लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में टीम की जरूरतों और बड़े मुकाबलों के दबाव को समझते हैं। ऐसे में युवा कप्तान को उनके अनुभव का फायदा मिल सकता है।

कम उम्र में दिखाया गजब का धैर्य

गंभीर ने गिल के नेतृत्व कौशल की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि कम उम्र में ही गिल ने मैदान पर काफी शांत रवैया दिखाया है। वह व्यक्तिगत प्रदर्शन से ज्यादा टीम की जरूरत को प्राथमिकता देते हैं। गंभीर के मुताबिक, गिल टीम हित में जरूरी और मुश्किल फैसले लेने से भी पीछे नहीं हटते।

हार्दिक के बिना अधूरी दिखती है विश्व कप की तैयारी

2027 विश्व कप की रणनीति पर चर्चा करते हुए गंभीर ने हार्दिक पंड्या को टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताया। उनका कहना है कि हार्दिक जैसा ऑलराउंडर मिलना आसान नहीं है। वह जरूरत पड़ने पर पूरे 10 ओवर गेंदबाजी करने के साथ ही छठे या सातवें नंबर पर उतरकर तेजी से रन बनाने की क्षमता रखते हैं। ऐसा खिलाड़ी टीम को बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में अतिरिक्त विकल्प देता है। बड़े टूर्नामेंट में इस तरह की भूमिका काफी अहम हो जाती है, क्योंकि टीम संयोजन में एक अतिरिक्त गेंदबाज या बल्लेबाज का संतुलन बनाया जा सकता है।

बुमराह पर भी रहेगी खास नजर

गंभीर ने जसप्रीत बुमराह की भूमिका को भी महत्वपूर्ण माना। बुमराह भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल हैं और बड़े मुकाबलों में उनकी मौजूदगी टीम के लिए अहम रहती है। हालांकि, उनके कार्यभार को देखते हुए टीम प्रबंधन को संतुलित रणनीति बनानी होगी।

कहानी भारत की 3 बेटियों की
जिन्होंने एशियन गेम्स के महिला स्कीट इवेंट में जिताया भारत को पहला मेडल

नगोया, एजेंसी

एशियन गेम्स 2026 में भारतीय निशानेबाजों ने स्कीट स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए देश की पदक तालिका में दो और कांस्य पदक जोड़ दिए। बुधवार को भारतीय महिला और पुरुष स्कीट टीमों ने टीम स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल किया। महिला स्कीट टीम की राइजा ढिल्लों, माहेश्वरी चौहान और परिनाज धालीवाल की तिकड़ी ने खास उपलब्धि हासिल की। इस तिकड़ी ने महिला स्कीट टीम स्पर्धा में भारत को एशियन गेम्स का पहला पदक दिलाया।

तीन दिन तक चले क्वालिफिकेशन राउंड के बाद भारतीय महिला टीम ने कुल 331 अंक जुटाए। चीन ने 357 अंक के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि कजाकिस्तान 336 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहा। भारत को 331 अंकों के साथ कांस्य पदक मिला। भारतीय टीम में राइजा ढिल्लों और परिनाज धालीवाल ने 125 में से 111-111 अंक हासिल किए, जबकि माहेश्वरी चौहान ने 109 अंक जुटाए। राइजा और परिनाज ने व्यक्तिगत स्पर्धा में भी अपनी दावेदारी मजबूत की है। दोनों महिला स्कीट के व्यक्तिगत फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं। राइजा आठवें और परिनाज नौवें स्थान पर रहीं।

माहेश्वरी चौहान ने 15 साल की उम्र में शुरू की शूटिंग

राजस्थान के सियाना में 4 जुलाई 1996 को जन्मीं माहेश्वरी चौहान महिला स्कीट की प्रमुख भारतीय निशानेबाजों में शामिल हैं। उन्होंने 15 साल की उम्र में शूटिंग शुरू की। परिवार में खेल के माहौल और विशेष रूप से अपने दादाजी से प्रेरित होकर उन्होंने निशानेबाजी को गंभीरता से अपनाया। 17 साल की उम्र में उन्होंने पहली बार आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व किया। माहेश्वरी ने 2017 में महिला स्कीट में एशियन चैंपियनशिप पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बनने की उपलब्धि हासिल की। उन्होंने कजाकिस्तान में आयोजित एशियन शॉटगन चैंपियनशिप में रजत और कांस्य पदक जीते।

ओलंपिक में चौथे स्थान तक पहुंचीं माहेश्वरी | माहेश्वरी ने ओलंपिक कोटा क्वालीफिकेशन स्पर्धा में रजत पदक जीता और 121/125 के राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्कोर के साथ भारत के लिए ओलंपिक कोटा हासिल किया। पेरिस 2024 ओलंपिक में वह भारत की पहली महिला स्कीट टीम का हिस्सा बनीं। व्यक्तिगत स्पर्धा में उन्होंने चौथा स्थान हासिल किया और पदक से मामूली अंतर से चूक गईं।

राइजा ढिल्लों ने कम उम्र में बनाई पहचान

20 अप्रैल 2004 को चंडीगढ़ में जन्मीं राइजा ढिल्लों ने 16 साल की उम्र में अपने पिता रविजीत सिंह ढिल्लों से प्रेरित होकर शूटिंग शुरू की। उन्होंने 2021 में पेरू के लीमा में आयोजित आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया। राइजा ने जूनियर विश्व चैंपियनशिप और एशियन चैंपियनशिप में कई पदक जीते हैं। 2024 में उन्होंने एशियन शॉटगन चैंपियनशिप में महिला स्कीट में भारत के लिए ओलंपिक कोटा हासिल किया। घरेलू स्तर पर भी उन्होंने 122/125 का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया और 2025 राष्ट्रीय चैंपियनशिप में वरिष्ठ महिला स्कीट का स्वर्ण पदक जीता।

2027 वर्ल्ड कप से पहले बड़ा सवाल
आगरकर की कुर्सी हिली तो शुभमन गिल की टीम में भी होगा बड़ा फेरबदल?

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। अजीत अगरकर के भविष्य पर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है, लेकिन भारतीय क्रिकेट में इसे लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (ब्रष्टष्द्ब) को तय करना है कि अगरकर का कार्यकाल आगे बढ़ेगा या चयन समिति की कमान किसी नए चेहरे को सौंपी जाएगी। पार्थिव पटेल और प्रज्ञान ओझा जैसे नाम संभावित विकल्पों की चर्चा में हैं। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा सवाल सिर्फ यह नहीं है कि अगरकर रहेंगे या जाएंगे। असली सवाल यह है कि अगर चयन समिति का नेतृत्व बदलता है तो शुभमन गिल की कप्तानी वाली वनडे टीम की दिशा पर इसका कितना असर पड़ेगा?

2027 वर्ल्ड कप की तैयारी में बदलाव का समय अहम– 2027 वनडे वर्ल्ड कप अब बहुत दूर नहीं है। ऐसे में भारत को अपनी वनडे टीम का ढांचा धीरे-धीरे स्पष्ट करना होगा। कप्तान के तौर पर शुभमन गिल के सामने भी यह चुनौती होगी कि वह अगली पीढ़ी की टीम को किस तरह तैयार करते हैं। चीफ सेलेक्टर बदलने पर सिर्फ एक चेहरा नहीं बदलेगा, बल्कि खिलाड़ियों को देखने का नजरिया भी बदल सकता है। नए चयनकर्ता की सीनियर खिलाड़ियों को लेकर सोच अलग हो सकती है, युवाओं को मौका देने की रणनीति अलग हो सकती है और वर्ल्ड कप की प्राथमिकताएं भी मौजूदा चयन समिति से अलग हो सकती हैं।

अगरकर रहें या नया चेहरा आए, असली परीक्षा टीम की

अगरकर को बरकरार रखा जाता है तो मौजूदा चयन नीति में निरंतरता देखने को मिल सकती है। वहीं नया चीफ सेलेक्टर अपनी क्रिकेटिंग सोच के मुताबिक बदलाव कर सकता है। इसका मतलब यह नहीं कि पूरी टीम बदल जाएगी, लेकिन कुछ खिलाड़ियों की भूमिका, मौके और प्राथमिकताएं जरूर प्रभावित हो सकती हैं। सबसे अहम बात यह होगी कि कप्तान गिल और चयन समिति 2027 को लेकर कितनी स्पष्ट योजना के साथ आगे बढ़ते हैं। क्योंकि अब हर सीरीज सिर्फ अगली सीरीज की तैयारी नहीं होगी। खिलाड़ियों को आजमाने के साथ-साथ 2027 वर्ल्ड कप की टीम भी तैयार करनी होगी।

गिल की टीम अभी पूरी तरह तैयार नहीं

गिल को वनडे कप्तानी की जिम्मेदारी मिल चुकी है, लेकिन 2027 के लिए भारत की अंतिम टीम अभी तय नहीं है। बल्लेबाजी से लेकर गेंदबाजी तक कई स्थानों पर चयन को लेकर सवाल मौजूद हैं। सबसे बड़ा सवाल भारत की नई बल्लेबाजी इकाई का है। रोहित शर्मा और विराट कोहली के दौर के बाद टीम किस दिशा में जाएगी? गिल के साथ कौन ओपन करेगा और किन बल्लेबाजों को आने वाले वर्षों के लिए टीम की रीढ़ माना जाएगा? यशस्वी जायसवाल भी इसी पहेली का हिस्सा हैं। टेस्ट क्रिकेट में अपनी जगह बना चुके जायसवाल को वनडे में लगातार अवसर नहीं मिले हैं।

हार्दिक और ऑलराउंडर का सवाल भी अहम

भारत को 2027 में ऐसे ऑलराउंडर की जरूरत होगी जो बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में योगदान दे सके। हार्दिक पंड्या की फिटनेस और उपलब्धता पिछले कुछ वर्षों में चयनकर्ताओं के लिए अहम मुद्दे रहे हैं। नया चीफ सेलेक्टर हार्दिक को किस भूमिका में देखता है और उनकी उपलब्धता को लेकर किस तरह की योजना बनाता है, यह टीम संयोजन पर सीधा असर डाल सकता है।

स्पिन में जडेजा या अक्षर?

स्पिन विभाग में भी कई सवाल हैं। कुलदीप यादव एक प्रमुख विकल्प हैं, लेकिन उनके साथ किस तरह का संयोजन तैयार किया जाएगा, यह देखना दिलचस्प होगा। रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल की भूमिकाएं अलग-अलग हैं। ऐसे में चयनकर्ताओं के सामने अनुभव और भविष्य के संतुलन का सवाल रहेगा। क्या टीम जडेजा के अनुभव को प्राथमिकता देगी या अक्षर के साथ लंबे समय की योजना तैयार करेगी?

इंदौर में टी20 के लिए मैदान तैयार
आउटफील्ड पर रहेगा 'चेक्स' पैटर्न, सामान्य टिकटों की बिक्री 25 से

इंदौर। होलकर स्टेडियम में 11 अक्टूबर को भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले टी-20 इंटरनेशनल मैच की तैयारियां तेज हो गई हैं। मैदान को मैच के लिए तैयार करने के साथ इस बार टीवी प्रसारण और दर्शकों के लिए आउटफील्ड को खास लुक दिया जा रहा है। घास पर 'चेक्स' यानी चौकड़ी वाला पैटर्न तैयार किया जाएगा। मंगलवार को स्टूडेंट कन्सेशन टिकटों की बुकिंग शुरू होते ही 1200 छात्रों का रजिस्ट्रेशन कुछ ही मिनटों में पूरा हो गया। दस्तावेजों की जांच के बाद इन्हें टिकट दिए जाएंगे। सामान्य श्रेणी के दर्शकों के लिए ऑनलाइन टिकट बिक्री 25 सितंबर की सुबह 6 बजे से शुरू होगी। ऐसे में मैच देखने के इच्छुक दर्शकों की नजर अब टिकट विंडो खुलने पर है।

होलकर में भारत ने 4 में से 3 टी-20 जीते

इंदौर के होलकर स्टेडियम में अब तक 4 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले गए हैं, जिनमें भारत ने 3 मुकाबले जीते हैं, जबकि एक में उसे हार मिली। भारत का श्20द्ब रिकॉर्ड 75त्न जीत का है। अब 11 अक्टूबर को वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाला मुकाबला इस मैदान का पांचवां टी-20 इंटरनेशनल होगा। भारत-वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी-20 सीरीज 6 अक्टूबर से शुरू होगी। इंदौर में सीरीज का तीसरा मुकाबला 11 अक्टूबर को शाम 7 बजे खेला जाएगा।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

लंबे इंतजार के बाद छोटे पर्दे पर लौटीं रश्मि, बोलीं-
सिर्फ कमबैक नहीं, एक मकसद की तलाश थी

मुंबई। टीवी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाली अभिनेत्री रश्मि देसाई एक बार फिर छोटे पर्दे पर वापसी कर रही हैं। लंबे समय के बाद रश्मि नए शो 'सयोनी' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री के लिए यह वापसी महज एक नए प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं है, बल्कि ऐसे किरदार के साथ पर्दे पर लौटने का मौका है, जिससे वह खुद को जोड़ पाई हैं।

'सयोनी' में रश्मि माया का किरदार निभा रही हैं। अपने रोल के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि माया सिर्फ कल्पना पर आधारित किरदार नहीं है, बल्कि बेहद प्रैक्टिकल महिला है। रश्मि के मुताबिक उन्हें पहले भी कई ऑफर मिले थे, लेकिन वह ऐसे किरदारों का हिस्सा नहीं बनना चाहती थीं, जिनसे उन्हें भावनात्मक जुड़ाव महसूस न हो। रश्मि ने कहा कि वह टीवी पर सिर्फ वापसी का मौका नहीं तलाश रही थीं, बल्कि एक ऐसे काम की तलाश में थीं, जिसके पीछे कोई मकसद हो। उनके मुताबिक हर कलाकार चाहता है कि उसे ऐसा किरदार मिले, जो अच्छी तरह लिखा गया हो और जिसे निभाने में उसे कुछ खास महसूस हो।रश्मि ने यह भी साफ किया कि लंबे समय तक अच्छे प्रोजेक्ट का इंतजार करने को लेकर उन्हें कोई पछतावा नहीं है।

जान्हवी सोनी बनीं सानवी

शो में रश्मि के साथ जान्हवी सोनी भी अहम भूमिका में हैं। वह सानवी का किरदार निभा रही हैं। जान्हवी के मुताबिक सानवी बेहद प्यार करने वाली और दूसरों की परवाह करने वाली लड़की है, लेकिन उसकी अच्छाई को उसकी कमजोरी समझना गलत होगा। सानवी सही बात के लिए खड़े होने का साहस रखती है और अपने वादों को निभाने के लिए किसी भी मुश्किल का सामना करने को तैयार रहती है। वहीं गौतम सिंह विग शो में आदित्य की भूमिका में नजर आ रहे हैं। उन्होंने अपने किरदार को पारंपरिक हीरो से अलग बताया। उनके मुताबिक आदित्य सानवी की लड़ाई खुद लड़ने के बजाय उसे अपनी लड़ाई खुद लड़ने की ताकत देता है। आदित्य और सानवी का रिश्ता भरोसे, बराबरी और स्थिर प्यार पर आधारित है।

Bigg Boss 20 में गुल्लू का बड़ा खुलासा 'ब्रेकअप से भी बुरा था तलाक का दर्द'

मुंबई। सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर कुशाल तंवर उर्फ गुल्लू इन दिनों रियलिटी शो 'बिग बॉस-20' में नजर आ रहे हैं। शो में वह अपनी निजी जिंदगी से जुड़ा बड़ा खुलासा करने के बाद चर्चा में हैं। तौकीर काजी के साथ बातचीत के दौरान गुल्लू ने अपनी शादी, तलाक और उस दौर में सामने आई मुश्किलों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि तलाक का अनुभव उनके लिए ब्रेकअप से भी ज्यादा दर्दनाक था। इस दौरान उन्होंने परिवार से मतभेद और अपने जीवन पर पड़े असर का भी जिक्र किया।

तौकीर काजी से बातचीत में गुल्लू ने अपने पुराने रिश्ते के बारे में बात करते हुए कहा, ÷मेरा बहुत बुरा दिल टूटा था। ये ब्रेकअप से भी बुरा था, जब मेरा तलाक हुआ था।÷ उनकी बात सुनकर तौकीर हैरान रह गए और उन्होंने शादी के बारे में सवाल किया। इसके बाद गुल्लू ने अपनी निजी जिंदगी से जुड़े कई पहलुओं का खुलासा किया। गुल्लू ने बताया कि उनका तलाक वर्ष 2024 में हुआ था। उन्होंने कहा कि उनकी शादी करीब चार से पांच महीने में ही खत्म हो गई थी। उन्होंने अपने उस दौर को बेहद मुश्किल बताया और कहा कि उन्हें लगता था कि रिश्ता बचाने की कोशिश करनी चाहिए, लेकिन बाद में समझ आया

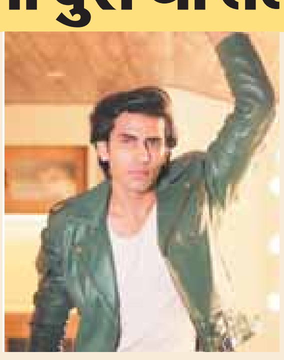

कि यह आगे नहीं चल पाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि उनके परिवार की वजह से उन्हें शादी करनी पड़ी थी।

गुल्लू के मुताबिक, तलाक को लेकर परिवार और उनके बीच मतभेद थे। जहां वह शादी खत्म करना चाहते थे, वहीं उनका परिवार इसके खिलाफ था। गुल्लू ने बताया कि जब वह 'रोडीज' शो कर रहे थे, उसी दौरान उनके तलाक की प्रक्रिया चल रही थी। उन्होंने कहा कि वह रोडीज गैंग के साथ गोवा में थे, तभी किसी ने उनकी तस्वीरें लीक कर दीं। इस घटना के बाद उन्हें लगा था कि उनके लिए सब कुछ खत्म हो गया है और वह समझ नहीं पा रहे थे कि क्या करें।

मेट्रो बाजार

भारत की एथेनॉल मांग वित्त वर्ष 31 तक बढ़कर 17.9 अरब लीटर पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली । भारत की एथेनॉल इंडस्ट्री नई क्षमता लगाने के नहीं, बल्कि क्षमता उपयोग के चरण में प्रवेश कर चुकी है और ई25 मिश्रण लागू होने की स्थिति में देश में एथेनॉल की मांग वित्त वर्ष 31 तक बढ़कर बेस केस (सामान्य) स्थिति में 17.9 अरब लीटर तक पहुंचने की उम्मीद है। यह जानकारी बुधवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। ब्रिकवर्क रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार, 18.25 अरब लीटर की मौजूदा डिस्टिलेशन क्षमता बेस और बेयर केस स्थिति के तहत मांग को पूरा करने के लिए पहले से ही पर्याप्त है।

बेस केस के हिसाब से, मौजूदा 18.25 अरब लीटर क्षमता का लगभग 98 प्रतिशत इस्तेमाल होगा। अगर ब्लेंडिंग ई20 पर बनी रहती है, तो बेयर केस (सबसे खराब स्थिति) में मांग 14.3 अरब लीटर रहने का अनुमान है, जिसका मतलब है कि क्षमता का लगभग 78 प्रतिशत इस्तेमाल होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर ब्लेंडिंग ई30 के स्तर तक पहुंचती है, तो %बुल केस% (सबसे अच्छे हालात) में वित्त वर्ष 2031 तक एथेनॉल की मांग 21.5 अरब लीटर तक पहुंच सकती है। इससे मांग मौजूदा क्षमता से लगभग 18 प्रतिशत ज्यादा हो जाएगी। इस दौरान ई30 का स्तर वह मोड़ होगा जब यह सेक्टर मौजूदा संसाधनों के इस्तेमाल से आगे बढ़कर नई क्षमता बनाने की जरूरत की ओर बढ़ेगा।

देश के सेमीकंडक्टर सेक्टर में आएगा बड़ा बदलाव! ईकोसिस्टम मजबूत करने पर जोर

नई दिल्ली। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए पूरे उद्योग को एक साझा दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। सेमीकॉन इंडिया 2026 के दौरान उद्योग जगत के नेताओं ने कहा कि भारत में सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम तेजी से विस्तार कर रहा है, लेकिन इसके अगले चरण के विकास के लिए विभिन्न क्षेत्रों के बीच बेहतर तालमेल और सहयोग जरूरी होगा।

निवेश और मैन्युफैक्चरिंग में तेजी– बुधवार को जारी आधिकारिक फैक्टशीट के मुताबिक, भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर क्षेत्र तेजी से बदलाव के दौर से गुजर रहा है। देश में बड़े पैमाने पर निवेश हो रहा है, मैन्युफैक्चरिंग क्षमता का विस्तार किया जा रहा है और कई वैश्विक कंपनियां भारत में अपनी मौजूदगी बढ़ा रही हैं। इससे देश का सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम पहले के मुकाबले तेजी से विकसित हो रहा है। उद्योग जगत का मानना है कि इस गति को बनाए रखने के लिए केवल किसी एक क्षेत्र पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा।

उद्योग विशेषज्ञों ने कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र की पूरी वैल्यू चेन एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई है। इसमें सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग, कंपोनेंट्स, मटेरियल्स, डिजाइन, पैकेजिंग और अंतिम उपयोग वाले एप्लिकेशन शामिल हैं। चिप की उपयोगिता केवल उसके निर्माण तक सीमित नहीं है। उसे डिवाइस, उत्पाद और सिस्टम में प्रभावी तरीके से इस्तेमाल करना भी उतना ही जरूरी है। इसी तरह फैब्रिकेशन के लिए उन्नत मटेरियल और उपकरणों की जरूरत होती है, जबकि मैन्युफैक्चरिंग आगे पैकेजिंग, टेस्टिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षमताओं से जुड़ती है।

भस्मारती में बाबा महाकाल का भव्य श्रृंगार.. चंद्रमा-त्रिपुंड और त्रिशूल से सजाया

उज्जैन। श्री महाकालेश्वर मंदिर में भाद्रपद शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर गुरुवार को बाबा महाकाल की भस्म आरती की गई। इस अलौकिक दृश्य के साक्षी बनने के लिए मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। गुरुवार तड़के भगवान वीरभद्र की आज्ञा लेने के बाद ढोल-नगाड़ों के साथ बाबा महाकाल के कपाट खोले गए। दिव्य श्रृंगार और भस्म आरती के बाद जैसे ही श्रद्धालुओं को बाबा के दर्शन हुए। पूरा मंदिर परिसर 'जय श्री महाकाल' के उद्घोष से गूंज उठा। मंदिर परिसर घंटियों, शंखध्वनि और मंत्रोच्चार से गुंजायमान हो उठा। मंदिर के पट खुलने के साथ ही मंत्रोच्चार के बीच महाकाल का जलाभिषेक कर दूध, दही, घी, शहद, और फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक किया गया। बाबा की पूजा के दौरान प्रथम घंटाल बजाकर हरिओम जल अर्पित किया गया।

न्यूज विंडो

पाक ने अफगानिस्तान पर किया हमला: 10 ठिकानों पर निशाना

इस्लामाबाद. एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव एक बार फिर तेजी से बढ़ गया है। पाकिस्तान ने गुरुवार तड़के कहा कि उसने अफगानिस्तान के अंदर 10 ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। पाकिस्तान का दावा है कि इन ठिकानों का इस्तेमाल एक दिन पहले पाकिस्तान पर ड्रोन हमले करने के लिए किया गया था। कार्रवाई तब हुई है, जब दोनों देशों के बीच सीमा पर गोलीबारी और घुसपैठ के आरोप बढ़ रहे हैं। इससे क्षेत्रीय देशों की मध्यस्थता से शांति कायम करने की कोशिशों को भी झटका लगने का खतरा है। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने सोशल मीडिया पर बताया कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में 10 जगहों को निशाना बनाया है। इससे एक दिन पहले पाक अधिकारियों ने दावा किया था कि अफगान तालिबान की ओर से 8 ड्रोन भेजे गए थे।

नीट-यूजी: कोचिंग के मालिक के बेटे को दो साल परीक्षा देने पर रोक

लातूर. एजेंसी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने लातूर के कोचिंग सेंटर के मालिक और पेपर लीक के आरोपी शिवराज मोटेगांवकर के बेटे को दो साल तक नीट- यूजी परीक्षा में बैठने से रोक दिया है। इस साल के नीट- यूजी पेपर लीक मामले में सीबीआई की ओर से गिरफ्तार किए गए मोटेगांवकर न्यायिक हिरासत में हैं। एनटीए की 19 सितंबर की सूचना के अनुसार, इस साल की शुरुआत में हुई परीक्षा के लिए उनके बेटे आदित्य मोटेगांवकर का रिजल्ट रोक दिया गया है और उसे नीट- यूजी 2027 में बैठने के लिए भी अयोग्य घोषित कर दिया है। सीबीआई के अनुसार, शिवराज ने कथित तौर पर केमिस्ट्री के सवाल हासिल करने के लिए पीवी कुलकर्णी को 5 लाख रुपये दिए थे। कुलकर्णी एनटीए के उस पैनल में शामिल थे, जिसने परीक्षा के लिए सवाल तैयार किए थे। एजेंसी का आरोप है कि उनका बेटा कुलकर्णी की कोचिंग क्लास में जाता था, जहां ये सवाल दिए जाते थे।

बेंगलुरु: अवैध रूप से रह रहे 160 बांग्लादेशी डिपोर्ट किए गए

बेंगलुरु। बेंगलुरु पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से रह रहे करीब 160 बांग्लादेशी नागरिकों को बुधवार सुबह एक विशेष विमान के जरिए उनके देश वापस भेज दिया है। इस पूरी कार्रवाई को पुलिस ने फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस, बीएसएफ और भारतीय वायुसेना के साथ मिलकर अंजाम दिया। मामले में जानकारी देते हुए बेंगलुरु पुलिस कमिश्नर सीमांत सिंह ने बताया कि एक विशेष अभियान के दौरान सभी नागरिकों को अवैध रूप से देश में रहने के आरोप में पकड़ा था। कमिश्नर ने बताया, हवाई मार्ग से बांग्लादेशियों को डिपोर्ट करने का यह दूसरा मामला है। इससे पहले कुछ लोगों को नियमित उड़ानों से भेजा था। इस बार संख्या बहुत ज्यादा होने के कारण विशेष विमान से भेजा।

एफ-35 को जेट को रडार पर पकड़ना मुश्किल

ऑस्ट्रेलिया से अमेरिका जा रहे F-35 फाइटर जेट के पार्ट्स चीन के हाथ लगे

वॉशिंगटन डीसी। एजेंसी

अमेरिका के सबसे एडवांस्ड फाइटर जेट एफ-35 के कुछ पार्ट्स चीन के हाथ लग गए हैं। ये पार्ट्स ऑस्ट्रेलिया से अमेरिका भेजे जा रहे थे, लेकिन रास्ते में इनकी खेप हांगकांग पहुंच गई। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के पास पहुंचे सामान में एफ-35 की कॉकपिट कैनोपी और हथियार रखने वाले हिस्से का दरवाजा शामिल है। पेंटागन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

एफ-35 जॉइंट प्रोग्राम ऑफिस ने कहा है कि वह अमेरिकी अधिकारियों और इंडस्ट्री पार्टनर्स के साथ मिलकर इन पार्ट्स को वापस लाने और घटना की जांच करने पर काम कर रहा है। भविष्य में ऐसा दोबारा न हो, इसके लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया से मरम्मत के लिए अमेरिका भेजे गए थे

ब्लूमबर्ग के मुताबिक, एफ-35 के ये पार्ट्स कुछ महीने पहले ऑस्ट्रेलिया से मरम्मत या नष्ट करने के लिए अमेरिका भेजे गए थे। रास्ते में शिपमेंट अचानक हांगकांग पहुंच गई। यह साफ नहीं है कि

इसे वहां क्यों और कैसे डायवर्ट किया गया। हांगकांग चीन के नियंत्रण में है, इसलिए अमेरिकी अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू की है।

ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने भी पार्ट्स के हांगकांग पहुंचने की पुष्टि की है। हालांकि, उनका कहना है, ये पार्ट्स संवेदनशील नहीं हैं। ऑस्ट्रेलिया मामले में अमेरिका और एफ-35 बनाने वाली कंपनी लॉकहीड मार्टिन के संपर्क में है।

अमरीका की चिंता बढ़ी

अमेरिकी एफ-35 में स्टेल्थ तकनीक से लैस है। इसमें एडवांस्ड रडार और सेंसर जैसे कई सिस्टम हैं। इनकी जानकारी किसी देश को मिलना अमेरिका के लिए चिंता की बात हो सकती है।

चीन और बेहतर कर सकता है अपनी तकनीक

1. एफ-35 की खासियत स्टेल्थ तकनीक है। इससे विमान को रडार पर पकड़ना मुश्किल होता है। यदि चीन को इसकी डिजाइन और स्टेल्थ तकनीक की जानकारी मिलती है, तो वह एफ-35 को पहचानने वाले रडार विकसित करने में इस्तेमाल कर सकता है।
2. एफ-35 के सेंसर आसपास के इलाके और दुश्मन की गतिविधियों की जानकारी जुटाते हैं। इन सिस्टम की तकनीक मिलने पर चीन यह समझ सकता है कि एफ-35 कैसे जानकारी जुटाता और दूसरे सैन्य सिस्टम से साझा करता है।
3. एफ-35 की क्षमता-कमजोरियों की जानकारी मिलने पर चीन अपने रडार, मिसाइल, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम को बेहतर कर सकता है।
4. एफ-35 सिर्फ अमेरिका के पास नहीं है। उसके कई सहयोगी देश भी इस्तेमाल करते हैं। यदि तकनीक लीक होती है, तो अमेरिका को अपने सॉफ्टवेयर, सेंसर अपडेट करने पड़ेंगे।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में बोले जेलेंस्की...

भारत समेत 47 देशों का नाम लेकर बोले- अपने नागरिकों को दूसरे मोर्चे पर जाने से रोकें

यूक्रेन। एजेंसी

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत समेत 47 देशों के नागरिकों का मुद्दा उठाया है। जेलेंस्की ने दावा किया कि रूस इन देशों के नागरिकों का इस्तेमाल युद्ध में कर रहा है। उन्होंने भारत और अन्य देशों की सरकारों से अपने नागरिकों की सुरक्षा करने और उन्हें युद्ध के मोर्चे तक पहुंचने से रोकने की अपील की। जेलेंस्की ने कहा कि रूस के खिलाफ दबाव बढ़ाने के लिए उसके पैसे और युद्ध क्षमता को सीमित करना जरूरी है।

जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए कहा कि रूस 47 देशों के नागरिकों का इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में कर रहा है। उन्होंने भारत, घाना, नेपाल, ताजिकिस्तान, यमन, केन्या, जिम्बाब्वे, क्यूबा, बेलारूस, सूडान और दक्षिण अफ्रीका समेत कई देशों का नाम लिया। जेलेंस्की ने कहा कि इन देशों के नागरिकों को कथित तौर पर धोखे और चालाकी से रूस ले

जाया गया और वे युद्ध के मैदान में मारे जा रहे हैं। उन्होंने इन देशों के प्रतिनिधियों से सीधे कहा कि वे अपने नागरिकों की देखभाल करें और उन्हें किसी दूसरे मोर्चे पर जाने से रोकें। जेलेंस्की ने कहा, संबंधित देशों को अपने नागरिकों को इस युद्ध में और आगे जाने से रोकना चाहिए। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का जिक्र कर कहा कि किसी भी देश को उन्हें अपने नागरिकों को युद्ध में घसीटने नहीं देना चाहिए। रूस को युद्ध जारी रखने के लिए मिलने वाले पैसे और काम करने की क्षमता सीमित की जानी चाहिए। जो देश रूस के साथ व्यापार से उसे ज्यादा पैसा देते हैं, वे युद्ध को और लंबा चलने का रास्ता देते हैं।

हरियाणा: सिरसा में ट्रक- ट्रैक्टर में टक्कर 3 की मौत, 20 से ज्यादा महिलाएं घायल

सिरसा. एजेंसी। सिरसा के गांव मल्लेकां-माधोसिंघाना के पास गुरुवार सुबह एक ट्रक और ट्रैक्टर के बीच टक्कर हो गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से ज्यादा महिलाएं घायल हैं। घायलों को सिरसा के सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मृतक की पहचान लवली, काके कौर और बलबीर कौर के रूप में हुई है।

ओटू गांव की महिलाएं माधोसिंघाना के पास पंजाब हैड एरिया में नरमा चुगाई के लिए जा रही थी। जैसे ही ट्रैक्टर-ट्रॉली मल्लेकां के पास पहुंचा तो सामने से आ रहे ट्रक (ट्राला) ने ट्रैक्टर को टक्कर मार दी।

इसी दौरान बाइक पर सवार ओटू के तीन युवक भी ट्राले की चपेट में आ गए। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके साथ ही ट्रैक्टर-ट्रॉली खेतों में जाकर पलट गए। ट्राली में 20 से ज्यादा महिलाएं सवार थीं, वे वाहन के नीचे दब गई। हादसे के बाद आस पास के लोगों ने महिलाओं को संभाला और उन्हें इलाज के लिए सिरसा रेफर किया। इनमें से पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है।

यूपी में उत्तराखंड के विधायक के फॉर्म हाउस पर दरोगा, सिपाही-सीआरपीएफ जवानों ने की सामूहिक हैवानियत

अमरोहा(उत्तरप्रदेश)। एजेंसी

अमरोहा के हसनपुर कोतवाली क्षेत्र में झूलपुरी स्थित खानपुर (उत्तराखंड) के विधायक उमेश शर्मा के फार्म हाउस पर हरियाणा की युवती से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। हसनपुर कोतवाली का दरोगा व अमरोहा पुलिस लाइन में तैनात सिपाही और असम में सीआरपीएफ की 156 वीं बटालियन में इंस्पेक्टर और पांचवीं बटालियन दिल्ली के हेड कांस्टेबल आरोप के घेरे में हैं। पुलिस ने चारों को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी ने दोनों पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। युवती अमरोहा में वन स्टॉप सेंटर पर है। आरोपियों में शामिल दो

मुजफ्फरनगर जिले के हैं, 1 बागपत-1अन्य अलवर (राजस्थान) का रहने वाला है।

पीड़िता हरियाणा के फतेहाबाद जिले की रहने वाली है और वहीं की निजी कंपनी में जॉब करती है। युवती ने पुलिस को बताया कि एक महिला मित्र ने उसकी मुलाकात सीआरपीएफ में हेड कांस्टेबल मोहित से कराई थी। मोहित मुजफ्फरनगर के शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव सौरम का रहने वाला है।

21 सितंबर को वह सोनीपत में मोहित से मिली। उसने घूमने की बात कही तो वह उसकी कार में बैठ गई। सोनीपत से मोहित उसे मेरठ ले गया। यहां साथी सीआरपीएफ इंस्पेक्टर लालाराम यादव को भी बैठा लिया। सोमवार रात तीनों मेरठ में रुके। मंगलवार शाम तीनों हसनपुर कोतवाली में गेट पर बागपत के थाना रमाला का दरोगा संजय तोमर भी कार में बैठ गया। कुछ देर बाद सभी झूलपुरी में स्थित खानपुर (उत्तराखंड) के विधायक उमेश शर्मा के फार्म हाउस पर पहुंचे। वहां कुछ कमरे लिए गए। यही हैवानियत की।

मेट्रो एंकर — चीन का मिशन एआई, दुनिया में अपनी बढ़त बना रहा ड्रैगन

चीन रोबोटिक्स टेक्नोलॉजी के दम पर अमेरिका को चुनौती देने में जुटा

बीजिंग। एजेंसी

बीजिंग में पूर्व खेतिहर जमीन पर अब खड़े एक चमचमाते प्रौद्योगिकी पार्क में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दो रोबोटिक हाथों को धीरे-धीरे एक सुई में धागा पिरोते हुए देखा। तभी वह बोले, यही वह चीज है जो चीन के भविष्य को सुरक्षित करेगी। यह एआई चीन के कारखानों, अस्पतालों, स्कूलों में हर जगह होगा। यह एक ऐसा भविष्य है जिसमें अमेरिका नहीं, बल्कि चीन दबदबा रखेगा।

शी जिनपिंग के अपने शब्दों में, यह तकनीक एक लीड गूज

(अगुवा हंस) की तरह चीन को उसकी अगली आर्थिक क्रांति की ओर उड़ान भरवाएगी। कहा, उन्नत रोबोटिक्स और उच्च-स्तरीय विनिर्माण से अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा देगा। इस विजन को साकार करने के लिए चीनी सरकार अपनी पूरी ताकत लगा रही है। बीजिंग के बाहरी क्षेत्र स्थित जिस पार्क का शी ने दौरा किया, वहां सैकड़ों कंपनियां मॉडर्न चिप्स और एआई मॉडल विकसित करने में जुटी हैं। प्रशासन उन्हें करोड़ों डॉलर का मुफ्त कंप्यूटिंग पावर दे रहा है।

ब्रेन इम्पांट के साथ ही कई तरह के आविष्कार पर अरबों डॉलर झोंके

शी ने कहा, चीन की ताकत किसी एक दिशा पर पूरा ध्यान केंद्रित कर उसे अंजाम तक पहुंचाने की क्षमता में है। इस प्रौद्योगिकी पार्क में परमाणु मिसाइलों को संचालित करने वाली चिप्स और लकवाग्रस्त मरीजों को बोलने में मदद करने वाले ब्रेन-इम्प्लांट जैसे आविष्कार प्रदर्शित हैं। उपस्थित उद्यमियों, शोधकर्ताओं और अधिकारियों से उन्होंने कहा कि बड़े कार्यों को पूरा करने के लिए संसाधन केंद्रित करने की अपनी राष्ट्रीय बढ़त का पूरा इस्तेमाल करना होगा।

अर्थशास्त्रियों के अनुसार, 2000 से 2023 के बीच सरकार-नेतृत्व वाले फंड्स ने एआई कंपनियों में 184 अरब डॉलर से ज्यादा झोंके। पिछले साल सैकड़ों अरब डॉलर और देने का वादा किया।

चीन बढ़ती आबादी बुजुर्ग, रिटायर कामगारों की जगह लेंगे रोबोट्स

चीन में बढ़ती बुजुर्ग आबादी को देखते हुए, बुद्धिमान रोबोट्स बनाने की तैयारी है। गरीब लोग बड़े शहरों के शीर्ष डॉक्टरों के डिजिटल अवतार से इलाज पा सकेंगे। प्रशासन को यह जानना और आसान हो जाएगा कि लोग कहां हैं, क्या कह रहे हैं। सरकार का कहना है 2030 तक एआई टूल्स और एजेंट्स को चीनी समाज के 90% हिस्से में प्रवेश कर लेना चाहिए, हालांकि यह नहीं बताया गया कि इसे कैसे मापा जाएगा। चैटबॉट्स कम्युनिस्ट पार्टी के सूचना-नियंत्रण को चुनौती दे सकते हैं, जबकि क्लॉड मिथोस जैसे उन्नत मॉडल चीन के दुश्मनों के लिए अहम इंफ्रास्ट्रक्चर पर जटिल साइबर हमले करना आसान बना सकते हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524